▪ कार्तिक कृष्णा - 9 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 92 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 25-10-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पूर्ववर्ती सरकारों के समय योग्यता से नहीं, पहुंच और रिश्वत से नौकरी मिलती थी : योगी

6 मणिपुर की जातीय हिंसा, अधिकारियों की अग्नि परीक्षा

7 सोशलाइजिंग से थक गई हैं अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा

## फर्स्ट टेक

### श्रीलंका में इजराइल के पर्यटकों पर हमला करने की साजिश रचने वाले तीन लोग गिरफ्तार

**कोलंबो/भाषा।** श्रीलंकाई पुलिस ने भारतीय खुफिया एजेंसियों से मिली सूचना के आधार पर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर पूर्वी तट पर स्थित एक 'सर्फिंग रिसॉर्ट' में इजराइली पर्यटकों पर हमले की साजिश रचने का संदेह है। सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री विजिता हेराथ ने कहा कि पुलिस के आतंकवाद-रोधी प्रभाग द्वारा गिरफ्तार किए गए सभी तीनों संदिग्ध श्रीलंकाई नागरिक हैं। मंत्री ने कहा कि इजराइली लोगों को निशाना बनाकर हमला करने की साजिश के संबंध में उनसे पूछताछ की जा रही है।

### रूसी सांसदों ने उत्तर कोरिया के साथ सैन्य सहायता के समझौते की पुष्टि की

**मास्को/एपी।** रूसी सांसदों ने उत्तर कोरिया के साथ परस्पर सैन्य सहायता के समझौते की पुष्टि कर दी है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका ने रूस में तीन हजार उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती की पुष्टि की है। रूसी संसद के निचले सदन 'स्टेट ड्यूमा' ने उत्तर कोरिया के साथ इस व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते का समर्थन करने के लिए बृहस्पतिवार को मतदान किया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जून में प्योंगयांग की यात्रा के दौरान उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। रूसी संसद के उच्च सदन के जल्द ही इस समझौते को स्वीकृति देने की संभावना है। इस समझौते के तहत, रूस और उत्तर कोरिया में से किसी एक पर हमला होता है तो वे सभी साधनों का उपयोग करते हुए तत्काल एक-दूसरे को सैन्य सहायता प्रदान करेंगे।

### यूरोपीय संघ ने लिंक्डइन पर 31 करोड़ यूरो का जुर्माना लगाया

**लंदन/एपी।** यूरोपीय संघ के नियामकों ने डेटा गोपनीयता नियमों के उल्लंघन के लिए पेशेवर नेटवर्किंग मंच लिंक्डइन पर बृहस्पतिवार को 31 करोड़ यूरो (33.5 करोड़ डॉलर) का जुर्माना लगाया। आयरलैंड स्थित डेटा संरक्षण आयोग ने विज्ञापन उद्देश्यों के लिए अपने व्यक्तिगत डेटा प्रसंस्करण की 'वैधता, निष्पक्षता और पारदर्शिता' से जुड़ी चिंताओं को लेकर माइक्रोसॉफ्ट के स्वामित्व वाली लिंक्डइन को फटकार भी लगाई। निगरानी संस्था ने जांच में पाया है कि लिंक्डइन के पास ऑनलाइन विज्ञापनों के साथ उपयोगकर्ताओं को लक्षित करने के लिए डेटा जुटाने का कोई वैध आधार नहीं था। आयोग ने लिंक्डइन को इन नियमों का पालन करने का आदेश दिया।

| सूर्यास्त 25-10-2024 | सूर्योदय 26-10-2024 |
|---|---|
| 5:44 बजे | 6:01 बजे |

| BSE | NSE |
|---|---|
| 80,065.16 | 24,399.40 |
| (-16.82) | (-36.10) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 8,200 रु. | 110,000 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

**मिशन मंडेला**
**दक्षिण भारत राष्ट्रमत**
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### दलित सियासत

भारत के सर्वोच्च व्यक्ति को,
ऐसे ना कमतर तोलो।
लोकतंत्र की सुंदर छवि पर,
यूं ना कालिख को घोलो।
सच में तो है दलित सियासत,
इस दल-दल पर मुंह खोलो।
तीनों सेनाओं का मुखिया,
दलित हुआ कैसे बोलो।।

# निवेश के लिए आदर्श जगह है भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरियाई वाहन विनिर्माता हुंदै मोटर के पुणे में आगामी संयंत्र को लेकर दिखाए उत्साह पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारत निवेश के लिए एक आदर्श स्थान है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कुछ दिन पहले यूइसुन चुंग से मिलकर खुशी हुई है। भारत वास्तव में निवेश के लिए आदर्श स्थान है। मुझे पुणे में संयंत्र को लेकर हुंदै का उत्साह देखकर खुशी हुई। महाराष्ट्र भारत का आर्थिक केंद्र है और इस तरह के बड़े निवेश से राज्य के लोगों को बहुत लाभ होगा।

हुंदै मोटर समूह के कार्यकारी चेयरमैन यूइसुन चुंग ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। चुंग ने प्रधानमंत्री मोदी को पुणे में हुंदै के संयंत्र के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि यह कंपनी के लिए बड़ा बदलाव लाने वाला निवेश होगा। हुंदै की भारतीय इकाई हुंदै मोटर इंडिया (एचएमआई) ने 'एक्स' पर कई पोस्ट में कहा कि कंपनी भारत के विविधतापूर्ण बाजार और सुधारवादी दृष्टिकोण की वजह से उसके साथ मिलकर काम करने को बहुत प्राथमिकता देती है।

## अंतरिक्ष क्षेत्र को समर्पित उद्यम पूंजी कोष को मंजूरी से अंतरिक्ष कार्यक्रम को गति मिलेगी : मोदी

▪ केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र को समर्पित एक हजार करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी कोष को मंजूरी मिली

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की ओर से अंतरिक्ष क्षेत्र को समर्पित उद्यम पूंजी कोष को मंजूरी दिए जाने को बृहस्पतिवार को एक शानदार खबर बताया और कहा कि यह कई नवान्वेषी युवाओं को अवसर तथा देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को गति देगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष क्षेत्र को समर्पित एक हजार करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी कोष को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित उद्यम पूंजी कोष को कोष संचालन की अवधि से पांच साल तक बढ़ाए जाने की योजना है। यह कोष रणनीतिक रूप से भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को आगे बढ़ाने, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए शानदार खबर! अंतरिक्ष क्षेत्र को समर्पित एक उद्यम पूंजी कोष स्थापित करने के मंत्रिमंडल के निर्णय का युवाओं पर अभूतपूर्व प्रभाव पड़ेगा। यह कई नवान्वेषी युवाओं को अवसर देगा और हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम को गति देगा।''

## न्यायमूर्ति संजीव खन्ना उच्चतम न्यायालय के अगले मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

### न्यायमूर्ति खन्ना का मुख्य न्यायाधीश के तौर पर कार्यकाल 11 नवम्बर से शुरू होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/एजेन्सी।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को उच्चतम न्यायालय का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को अधिसूचना जारी कर यह घोषणा की।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, वरिष्ठम न्यायाधीश न्यायमूर्ति खन्ना का मुख्य न्यायाधीश के तौर पर कार्यकाल 11 नवम्बर से शुरू होगा। वह 51 मुख्य न्यायाधीश होंगे।

वर्तमान मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को सेवानिवृत्ति होने वाले हैं। न्यायमूर्ति खन्ना उनके बाद वरिष्ठतम न्यायाधीश हैं।

न्यायमूर्ति खन्ना का कार्यकाल छह महीने से थोड़ा अधिक का होगा और वह 13 मई 2025 को सेवानिवृत्त होंगे।

## जन्म तिथि का आधिकारिक प्रमाण 'आधार कार्ड' नहीं : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/एजेन्सी।** उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि 'आधार कार्ड' जन्म तिथि का आधिकारिक प्रमाण नहीं है।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुयान की पीठ ने सरोज और अन्य की पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ अपील स्वीकार कर ली, जिसमें आधार कार्ड में दर्ज जन्म तिथि के आधार पर सड़क दुर्घटना में मृत्यु के लिए उन्हें दिए जाने वाले मुआवजे को कम कर दिया गया था।

शीर्ष अदालत ने मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र के आधार पर मृतक की आयु निर्धारित करने और मुआवजा तय करने के आदेश को बरकरार रखा।

पीठ ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा जारी एक परिपत्र का हवाला दिया। इसके साथ ही एक वैधानिक प्रावधान का भी जिक्र दिया, जिसमें स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र को जन्म तिथि का वैध प्रमाण घोषित किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि यूआईडीएआई ने 2023 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 20 दिसंबर 2018 को जारी कार्यालय ज्ञापन के संदर्भ में कहा है कि आधार कार्ड का उपयोग पहचान स्थापित करने के लिए किया जा सकता है, लेकिन यह जन्म तिथि का प्रमाण नहीं है।

## जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में आतंकी हमला, सेना के दो कुलियों की मौत, तीन सैनिकों सहित चार घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**श्रीनगर/भाषा।** उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग से छह किलोमीटर दूर सेना के एक वाहन पर बृहस्पतिवार को हुए आतंकी हमले में बल के साथ काम करने वाले दो कुलियों की मौत हो गई और तीन सैनिकों सहित चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने शाम के समय बूटापथरी इलाके में सेना के वाहन पर तब गोलीबारी की जब वह अफरावत रेंज में नागिन चौकी की ओर जा रहा था। शुरुआती खबरों का हवाला देते हुए अधिकारियों ने कहा कि सेना के साथ काम करने वाले दो कुली मारे गए और एक अन्य कुली तथा तीन सैनिक घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायल सैनिकों में से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है तथा इलाके में अतिरिक्त सैनिकों को भेजा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि वाहन में सवार जवानों ने हमला होने पर जवाबी गोलीबारी की।

## एलएसी पर जमीनी स्थिति बहाल करने को लेकर व्यापक सहमति बनी : राजनाथ

**नई दिल्ली/भाषा।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और चीन के बीच वार्ता के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जमीनी स्थिति बहाल करने के लिए व्यापक सहमति बन गयी है, जिसमें पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त और मवेशियों को चराने की अनुमति देना भी शामिल है।

'चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2024' में रक्षा मंत्री ने दोनों देशों के बीच हुए समझौते को एक ''महत्वपूर्ण घटनाक्रम'' बताया, जो वैश्विक मंच पर रक्षा वार्ता के महत्व को रेखांकित करता है।

सिंह ने कहा, ''भारत और चीन एलएसी के साथ कुछ क्षेत्रों में मतभेदों को सुलझाने के लिए सैन्य और कूटनीतिक, दोनों स्तर पर बातचीत कर रहे हैं। वार्ता के बाद, समान और पारस्परिक सुरक्षा के सिद्धांत के आधार पर जमीनी स्थिति को बहाल करने के लिए व्यापक सहमति बन गई है।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''इसमें गश्त करना, पारंपरिक क्षेत्रों में मवेशियों को चराने की अनुमति देना भी शामिल है। यह निरंतर बातचीत करने से संभव हुआ है, देर-सवेर समाधान निकल ही जाएगा।''

चार साल से अधिक समय से जारी सैन्य गतिरोध को समाप्त करने में एक बड़ी सफलता के रूप में, भारत ने सोमवार को घोषणा की कि वह पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त करने को लेकर चीन के साथ एक समझौते पर पहुंच गया है।

## देश में 80 से अधिक विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय विमानन कंपनियों की 80 से अधिक घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन कर रहे विमानों को बृहस्पतिवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि 'एअर इंडिया', 'विस्तारा' और 'इंडिगो' के करीब 20-20 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जबकि 'अकासा एयर' की करीब 13 उड़ानों को ऐसी धमकी मिली है। सूत्रों के अनुसार इसके अलावा, 'एलायंस एयर' और 'स्पाइसजेट' की करीब पांच-पांच उड़ानों को भी ऐसी धमकी मिली है। पिछले 11 दिनों में भारतीय विमानन कंपनियों की लगभग 250 उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। 'इंडिगो' के एक प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि कंपनी को 20 उड़ानों के लिए सुरक्षा संबंधी अलर्ट प्राप्त हुए हैं। 'अकासा एयर' के प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी की 13 उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले हैं और सघन निरीक्षण के बाद संबंधित सभी विमानों को परिचालन पर लगाया गया।

## विवादों और मतभेदों का समाधान संवाद और कूटनीति के जरिये करना चाहिए : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कजान (रूस)/भाषा।** संघर्षों और तनाव से प्रभावी तरीके से निपटने को आज के समय की विशेष जरूरत बताते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि विवादों और मतभेदों का समाधान संवाद और कूटनीति के जरिये करना चाहिए और एक बार सहमति बन जाए तो ईमानदारी से उसका पालन होना चाहिए।

एक अधिक समतामूलक वैश्विक व्यवस्था बनाने के लिए पांच सूत्री मंत्र देते हुए जयशंकर ने वैश्विक अवसंरचना में विकृतियों को सुधारने पर जोर दिया जो औपनिवेशिक कालखंड की विरासत हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय अखंडता के प्रति सम्मान के साथ यह किया जाना चाहिए।

जयशंकर ने रूस के कजान में ब्रिक्स के 'आउटरीच' सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शामिल होते हुए यह बात कही। सम्मेलन के मेजबान रूस के प्रधानमंत्री व्लादिमीर पुतिन हैं। उन्होंने कहा, ''हम कठिन परिस्थितियों में मिल रहे हैं। विश्व को दीर्घकालिक चुनौतियों पर नए सिरे से सोचने के लिए तैयार रहना चाहिए। हमारा यहां एकत्रित होना इस बात का संदेश है कि हम ऐसा करने के लिए वाकई तैयार हैं।''

जयशंकर ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहले के एक कथन का उल्लेख करते हुए कहा, ''यह युद्ध का युग नहीं है।''

विदेश मंत्री ने कहा, ''संघर्षों और तनाव से प्रभावी तरीके से निपटना आज के समय की विशेष जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया है कि यह युद्ध का युग नहीं है। विवादों और मतभेदों का समाधान संवाद और कूटनीति से निकाला जाना चाहिए। एक बार सहमति हो जाए तो ईमानदारी से उसका पालन होना चाहिए।'' उन्होंने ब्रिक्स सत्र में कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून का बिना किसी अपवाद के पालन होना चाहिए और आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने वाला रुख होना चाहिए।

विदेश मंत्री ने कहा, ''पश्चिम एशिया में चिंता के हालात को समझा जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष और फैलने को लेकर व्यापक चिंताएं हैं।

ब्रिक्स सम्मेलन के अंतिम दिन यहां 'आउटरीच/ब्रिक्स प्लस' बैठक आयोजित की गई। सत्र में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस और दुनियाभर के 20 से अधिक नेताओं ने भाग लिया।

जयशंकर ने इस बात की ओर संकेत दिया कि ब्रिक्स फोरम को यह समझना होगा कि वैश्वीकरण के लाभ 'बहुत असमान' रहे हैं, कोविड महामारी और अनेक संघर्षों ने 'वैश्विक दक्षिण' के बोझ को बढ़ा दिया है और स्वास्थ्य, खाद्य तथा ईंधन सुरक्षा को लेकर चिंताएं विशेष रूप से चिंताजनक हैं।

### भारत के उच्चायुक्त संजय वर्मा ने कहा

## कनाडा ने भारत की पीठ में छुरा घोंपा

### खालिस्तान के नाम पर कनाडा में चल रहा अपराध का कारोबार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुट्ठीभर खालिस्तान समर्थकों ने इस विचारधारा को एक आपराधिक उपक्रम बना दिया है जो मानव तस्करी और हथियार तस्करी जैसी अनेक गतिविधियों में लिप्त हैं और इस सबके बावजूद कनाडा के अधिकारियों ने आंखें मूंद रखी हैं क्योंकि ऐसे कट्टरपंथी स्थानीय नेताओं के लिए वोट बैंक होते हैं।**

नई दिल्ली/भाषा। कनाडा के व्यवहार को अत्यंत घटिया बताते हुए वहां से वापस बुलाए गए भारत के उच्चायुक्त संजय वर्मा ने कहा कि ऐसे देश ने, जिसे हम मित्रवत लोकतांत्रिक देश मानते हैं, भारत की पीठ में छुरा घोंपा और सर्वाधिक गैर-पेशेवर रवैया अपनाया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि मुट्ठीभर खालिस्तान समर्थकों ने इस विचारधारा को एक आपराधिक उपक्रम बना दिया है जो मानव तस्करी और हथियार तस्करी जैसी अनेक गतिविधियों में लिप्त हैं और इस सबके बावजूद कनाडा के अधिकारियों ने आंखें मूंद रखी हैं क्योंकि ऐसे कट्टरपंथी स्थानीय नेताओं के लिए वोट बैंक होते हैं।

कनाडा ने अपने नागरिक और भारत द्वारा खालिस्तानी आतंकवादी घोषित किए गए हरदीप सिंह निज्जर की जून 2023 में हत्या के मामले में कहा था कि वर्मा इस मामले में जांच के तहत 'निगरानी की श्रेणी' में हैं।

इस मामले में कनाडा आगे कोई कार्रवाई करता, उससे पहले भारत ने वर्मा और पांच अन्य राजनयिकों को वहां से वापस बुला लिया।

वर्मा ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से स्नातक किया और वह एक परमाणु विज्ञानी हैं। वह जापान तथा सूडान में भारत के राजदूत रह चुके हैं। क्या उन्होंने अपने 36 साल के राजनयिक कॅरियर में कभी इस तरह का कुछ देखा है, इस सवाल पर वर्मा ने कहा, ''यह अत्यंत घटिया बात है। यह द्विपक्षीय संबंधों के प्रति सर्वाधिक गैर-पेशेवर रवैया है। अगर वे मानते हैं कि यह उनके लिए भी एक व्यापक रिश्ता है तो राजनयिक के पास अन्य कूटनीतिक साधन होते हैं।

## 'अल जजीरा' के छह पत्रकारों पर फलस्तीनी आतंकवादी होने का लगा आरोप

**रामल्ला (वेस्ट बैंक)/एपी।** इजराइली सेना ने गाजा में जारी युद्ध को कवर करने वाले अंग्रेजी समाचार पत्र 'अल जजीरा' के छह पत्रकारों पर फलस्तीनी आतंकवादी होने का बुधवार को आरोप लगाया। हालांकि, 'अल जजीरा' ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। इजराइली सेना ने आरोप लगाया कि 'अल जजीरा' के छह पत्रकार फलस्तीन के आतंकवादी समूह से पूर्व में या वर्तमान में जुड़े रहे हैं और वे इसके लिए काम करते थे तथा इसके बदले उन्हें भुगतान भी किया जाता था। इजराइल ने कथित तौर पर गाजा में मिले दस्तावेजों और अन्य खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए ये आरोप लगाए हैं और कहा कि ये सभी फलस्तीनी नागरिक हैं। सेना ने कहा कि 'अल जजीरा' के छह पत्रकारों में से चार आतंकवादी संगठन हमास से जुड़े हैं या पूर्व में जुड़े रह चुके हैं तथा दो फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद से जुड़े हैं।

## अमेरिका हो या चीन कोई भी देश भारत को नजरअंदाज नहीं कर सकता : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भारत की प्राथमिकता यह दिखाकर अपना प्रभुत्व स्थापित करना नहीं है कि भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, हमारी जनसंख्या सबसे अधिक है। बल्कि हमारा लक्ष्य अपना प्रभाव बढ़ाना है।**

**वाशिंगटन/भाषा।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत की प्राथमिकता प्रभुत्व स्थापित करना नहीं बल्कि अपने प्रभाव को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका हो या चीन कोई भी देश आज भारत को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

सीतारमण ने यहां सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट द्वारा आयोजित ब्रेटन वुड्स एट 80: प्रायोरिटीज फॉर द नेक्स्ट डेकेड' में परिचर्चा के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

सीतारमण ब्रेटन वुड्स संस्थाओं की वार्षिक बैठकों में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंची थीं। उन्होंने कहा, '' भारत की प्राथमिकता यह दिखाकर अपना प्रभुत्व स्थापित करना नहीं है कि भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, हमारी जनसंख्या सबसे अधिक है। बल्कि हमारा लक्ष्य अपना प्रभाव बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि दुनिया में हर छह में से एक व्यक्ति भारतीय है, आप हमारी अर्थव्यवस्था और जिस तरह से यह बढ़ रही है, उसे नजरअंदाज नहीं कर सकते।''

भारत क्या मार्गदर्शन की स्थिति में है, इस सवाल पर उन्होंने प्रौद्योगिकी में देश की अग्रणी भूमिका का जिक्र किया और कहा कि भारतीयों के पास जटिल कॉरपोरेट व्यवस्था को चलाने के लिए एक प्रणाली है। उन्होंने कहा, आप वास्तव में इसे अनदेखा नहीं कर सकते। अमेरिका जैसा दूर स्थित देश हो या चीन जैसा पड़ोसी, कोई भी देश हमें अनदेखा नहीं कर सकता।

# बेंगलूरु में तीन दिवसीय ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस 14 नवम्बर से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणन और संबंधित सेवाओं के लिए भारत की प्रमुख संस्था सीआईआई आईजीबीसी ने आधिकारिक तौर पर बेंगलूरु में ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस सम्मेलन के अपने वार्षिक 22वें संस्करण का शुभारंभ किया। तीन दिवसीय ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस आगामी 14, 15 और 16 नवंबर को आयोजित की जाएगी। यह सम्मेलन 18 साल के अंतराल के बाद बेंगलूरु में किया जा रहा है। ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस 2024, ग्रीन बिल्ट एनवायरनमेंट पर एशिया का सबसे बड़ा सम्मेलन और एक्सपो है, जिसका उद्देश्य टिकाऊ बिल्डिंग प्रथाओं और प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है। यह उद्योग के पेशेवरों, वास्तुकारों, बिल्डरों और नीति निर्माताओं के लिए हरित भवनों और निर्मित वातावरण में ज्ञान, नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। यह ग्रीन होम्स पर ध्यान केंद्रित करेगा।

आईजीबीसी बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष और ऑल्टटेक फाउंडेशन के ट्रस्टी डॉ चंद्रशेखर हरिहरन, सीआईआई ग्रीन बिजनेस सेंटर के कार्यकारी निदेशक के एस वेंकटगिरी और आईजीबीसी बेंगलूरु चैप्टर के सह-अध्यक्ष और अर्बन फ्रेम प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक, निदेशक, एआर अनूप नाइक ने एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी कि 18 साल के बाद बेंगलूरु में होने वाले इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में देश विदेश से प्रतिभागी भाग लेंगे। यह सम्मेलन उद्योग विशेषज्ञों, वास्तुकारों, बिल्डरों और नीति निर्माताओं के लिए ग्रीन बिल्डिंग प्रथाओं में नवीनतम रुझानों और नवाचारों पर अंतर्दृष्टि साझा करने और हितधारकों के बीच संबंधों को सुविधाजनक बनाने, ऐसे सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक आदर्श मंच है जो टिकाऊ निर्माण पहलों को आगे बढ़ा सकते हैं और पर्यावरणीय स्थिरता और जलवायु लचीलापन के व्यापक लक्ष्यों में योगदान दे सकते हैं। ग्रीन बिल्डिंग कांग्रेस में आर्किटेक्ट और डिज़ाइनर, बिल्डर और डेवलपर्स, कॉर्पोरेट और शिक्षाविद, सरकार और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के प्रतिनिधि और ग्रीन उत्पाद निर्माता सहित उपस्थित लोगों का एक विविध समूह एक साथ आएगा और इस तरह सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और नेटवर्किंग के लिए एक समृद्ध वातावरण तैयार करेगा, जिसका उद्देश्य भवन क्षेत्र में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना है।

# यातायात उल्लंघन की जांच के लिए एआई, नवीन प्रौद्योगिकी के उपयोग का प्रस्ताव : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार यातायात उल्लंघन की जांच करने और सही जुर्माना सुनिश्चित करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) और अन्य नवीन तरीकों का उपयोग करने का प्रस्ताव कर रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

‘ट्रैफिक इन्फ्राटेक एक्सपो’ के 12वें संस्करण को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने टोल संग्रह विधियों को उन्नत करने की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसमें सैटेलाइट टोल प्रणाली भी शामिल है, जिससे टोल संग्रह की दक्षता में सुधार होगा और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

गडकरी ने कहा कि उन्नत इंजीनियरिंग समाधान को एकीकृत किए बिना, कानूनों को लागू किए बिना और एआई जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाए बिना सड़क सुरक्षा हासिल नहीं की जा सकती। सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए मंत्रालय के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रौद्योगिकी समाधान विकसित करने में सहयोग करने के लिए निजी क्षेत्र से विशेषज्ञों को नियुक्त करने का निर्णय लिया है। गडकरी ने कहा, एक समर्पित

विशेषज्ञ समिति स्टार्टअप और उद्योग जगत के अगुवाओं के प्रस्तावों का मूल्यांकन करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि सर्वोत्तम विचारों को क्रियान्वित किया जाए।

केंद्रीय मंत्री के अनुसार, समिति को तीन महीने के भीतर अपने मूल्यांकन को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया गया है, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र में तेजी से सुधार लाना है। गडकरी ने उच्च गुणवत्ता मानकों, खासकर कैमरों जैसी निगरानी तकनीक के इस्तेमाल को बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि गुणवत्ता और मानकों से समझौता नहीं किया जाएगा, चाहे समाधान बड़ी या छोटी कंपनियों से आए।

इसके अलावा, मंत्री ने नवीन प्रौद्योगिकियों वाली छोटी कंपनियों को सरकारी निविदाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि सर्वोत्तम प्रौद्योगिकियों के साथ भारत पारदर्शिता प्राप्त कर सकता है, लागत कम कर सकता है और सड़क सुरक्षा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकता है। गडकरी ने सभी हितधारकों- सरकार, निजी क्षेत्र और स्टार्टअप से भारत में तत्काल सड़क सुरक्षा मुद्दों को हल करने के लिए एक साथ आने का आह्वान किया। उन्होंने भारत में सड़क दुर्घटनाओं के चिंताजनक आंकड़ों को रेखांकित करते हुए कहा कि देश में हर साल लगभग पांच लाख दुर्घटनाएं होती हैं, जिससे बड़ी संख्या में जनहानि होती है।

गडकरी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इनमें से आधे से अधिक दुर्घटनाएं 18-36 वर्ष की आयु वर्ग में होती हैं। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली आर्थिक क्षति देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग तीन प्रतिशत है।

# बीते वित्त वर्ष में वेतन वृद्धि के मामले में बेंगलूरु रहा शीर्ष पर

**बेंगलूरु/मुंबई।** नौकरी के अवसरों और वेतन वृद्धि के मामले में बेंगलूरु देश का शीर्ष शहर रहा है। बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि यहां सालाना 9.3% की वृद्धि दर्ज की गई है। बेंगलूरु के बाद चेन्नई और दिल्ली का स्थान है। पिछले वित्त वर्ष (2023-24) के लिए ‘टीमलीज सर्विसेज जॉब्स एंड सैलरीज प्रीमियर’ रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि प्रौद्योगिकी और व्यापार केंद्र के रूप में बेंगलूरु की प्रतिष्ठा को रेखांकित करती है क्योंकि यहां औसत मासिक एकीकृत वेतन 29,500 रुपये था, जिससे यह देश में सबसे अधिक वेतन देने वाला शहर बन गया। यह रिपोर्ट अस्थायी और स्थायी नियुक्ति बाजारों में एकीकृत वेतन के विश्लेषण पर आधारित है।

रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलूरु के बाद चेन्नई और दिल्ली का स्थान है, जहां वेतन में क्रमशः 7.5 प्रतिशत और 7.3 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। यह इन नौकरी बाजारों की प्रतिस्पर्धी प्रकृति को दर्शाता है। चेन्नई में औसत मासिक वेतन 24,500 रुपये रहा, जबकि दिल्ली में यह 27,800 रुपये तक पहुंच गया। मुंबई और अहमदाबाद में भी वेतन में लगातार वृद्धि दर्ज की गई, जिससे प्रमुख रोजगार केन्द्रों के रूप में उनका महत्व और मजबूत हुआ। देश की आर्थिक राजधानी में औसत वेतन 25,100 रुपये रहा, जबकि पुणे में यह 24,700 रुपये रहा। रिपोर्ट से पता चलता है कि इस बीच, उद्योग के मोर्चे पर खुदरा क्षेत्र का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। इसमें 8.4% की उल्लेखनीय वेतन वृद्धि हुई है। इस प्रवृत्ति के बाद उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं (5.2%) और बीएफएसआई (5.1%) का स्थान रहा। दोनों ही क्षेत्रों में पेशेवरों के लिए मजबूत वृद्धि के अवसर उपलब्ध हैं। दूसरी ओर, लॉजिस्टिक्स, रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी), स्वास्थ्य और फार्मा तथा निर्माण और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में मध्यम वृद्धि देखी गई, जो कुशल पेशेवरों की उनकी स्थिर मांग को दर्शाता है। सर्वाधिक वेतन देने वाले उद्योगों में दूरसंचार (29,200 रुपये), विनिर्माण, इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचा (28,200 रुपये), स्वास्थ्य सेवा और फार्मा (27,600 रुपये) तथा निर्माण और रियल एस्टेट (27,000 रुपये) शामिल हैं।

# अगले पांच साल में 50 और हवाई अड्डे विकसित करने का इरादा : नायडू

**नई दिल्ली/भाषा।** नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार का इरादा अगले 5 साल में 50 अतिरिक्त हवाई अड्डे विकसित करने का है। नायडू ने देश की हवाई अड्डा पारिस्थितिकी को और विकसित करने की वकालत करते हुए कहा कि इससे रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा।

नागर विमानन मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया मुख्यालय पर प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा अगले पांच वर्षों में 50 नए हवाई अड्डों को विकसित करने का है। यह संख्या 20 वर्षों में 200 अतिरिक्त हवाई अडडों तक हो जाने की उम्मीद है। नरेन्द्र मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में देश के भीतर हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी होकर 157 हो गई है। नायडू ने हवाई अड्डा पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने की जरूरत पर भी बल दिया।

# उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की

**नई दिल्ली/भाषा।** जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पिछले सप्ताह पदभार संभालने के बाद राष्ट्रीय राजधानी के अपने पहले दौरे के दौरान बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। केंद्र शासित प्रदेश में हाल के विधानसभा चुनाव में अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 90 विधानसभा सीट में से 42 सीट प्राप्त कर अपनी सरकार बनाई है। चुनाव में पार्टी का कांग्रेस के साथ गठबंधन था। नई सरकार ने अपनी पहली मंत्रिमंडल बैठक में प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का आग्रह किया। बाद में, इस प्रस्ताव को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी मंजूरी दे दी थी। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू कश्मीर को पुन: राज्य का दर्जा दिए जाने संबंधी प्रयासों को क्षेत्र के निवासियों की विशिष्ट पहचान की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। मंत्रिमंडल के अनुमोदन के बाद मुख्यमंत्री को जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की पैरवी करने के लिए प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार के साथ बातचीत करने का अधिकार दिया गया है।

# समता भवन के निर्माण से धर्म आराधना में होगी अभिवृद्धि : कमल सिपानी

## शहर में एक और नए समता भवन का होगा निर्माण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मल्लेश्वरम स्थित पाइपलाइन मैन रोड में नए क्रय किए गए भूखंड पर एक और नए समता भवन के निर्माण के लिए साधुमार्गी जैन संघ के तत्वावधान में सामूहिक नवकार महामंत्र जाप का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मल्लेश्वरम स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भावनाश्री से मांगलिक श्रवण के पश्चात भूखंड पर संघ सदस्यों द्वारा सामूहिक नवकार महामंत्र का जाप किया गया। जाप के पश्चात आयोजित सभा को संबोधित करते हुए संघ के मार्गदर्शक कमल सिपानी ने समता भवन को धर्म आराधना में अभिवृद्धि में सहायक बताते हुए कहा कि मल्लेश्वरम क्षेत्र शहर का हृदय स्थल है और यहां समता भवन के निर्माण से पूरे बेंगलूरु से धर्म प्रेमियों को ज्ञान - ध्यान एवं गुरु भगवंतो के प्रवचन श्रवण में बहुत सहायता होगी।

महत्तम महोत्सव के राष्ट्रीय समिति के प्रमुख किशोर कर्णावत ने भूखंड पर निर्माण की रूपरेखा प्रस्तुत की। संघ के पूर्व कोषाध्यक्ष सुनीलकुमार नंदावत ने समता भवन प्रोजेक्ट का प्रजेंटेशन दिया। मल्लेश्वरम संघ के चातुर्मास अध्यक्ष संपतराज धोका, अध्यक्ष प्रकाशचंद बाफना ने सभी का उत्साहवर्धन किया।

आनंद श्रीश्रीमाल ने भी विचार व्यक्त किए। संघ के कोषाध्यक्ष सुशील बरमेचा ने निर्माण सहयोग की योजना बताई जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर सहयोग हेतु अपने नामों की घोषणा की। जैन ने कहा कि समता भवन में सामायिक प्रतिक्रमण, पौषध साधना एवं स्वाध्याय का लाभ गृहस्थ वर्ग उठाते हैं साथ ही संतों के चातुर्मास एवं शेष काल में भी जिनवाणी श्रवण का भी भरपूर लाभ मिलता है। धर्म में अभिवृद्धि के लिए समता भवन का निर्माण आवश्यक है। भूखंड विक्रय करने वाले कवाड़ी परिवार का सम्मान किया गया।

संघ के पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल चोपड़ा द्वारा मंगल पाठ प्रदान किया। संघ के मंत्री महावीरचंद चोपड़ा ने सभी का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष सुंदरलाल सिपानी, निवर्तमान अध्यक्ष धर्मचंद बम्बकी, समता महिला मंडल, समता युवा संघ के पदाधिकारी एवं संघ सदस्यों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंत्री कुलदीप नंदावत ने किया।

# किसानों के लिए जेल जाने को तैयार हूं : बीआरएस नेता रामाराव

**हैदराबाद/भाषा।** सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा पर चुनावी वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी दिए गए आश्वासनों के कार्यान्वयन के लिए संघर्ष करेगी और वह किसानों के लिए जेल जाने को तैयार हैं।

आदिलाबाद में अपनी पार्टी द्वारा आयोजित किसान रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस और भाजपा में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि शहर में सीमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) संयंत्र को पुनर्जीवित करने का केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित विभिन्न भाजपा नेताओं का वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने हाल ही में आदिलाबाद के निकट उटनूर में अपने खिलाफ दर्ज एक मामले का जिक्र करते हुए कहा, एक बात तो तय है। लोगों और किसानों के लिए मैं जेल जाने को तैयार हूं, एक-दो साल जेल में रहने को तैयार हूं। मुझे किसी का डर नहीं है। हैदराबाद में मुसी नदी पुनरुद्धार परियोजना में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ घोटाले के रामाराव के आरोपों पर उटनूर में मामला दर्ज किया गया था।

# भारत में एआई कम्प्यूटिंग अवसंरचना बनाएंगी एनवीडिया और रिलायंस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** कृत्रिम मेधा (एआई) चिप की प्रमुख वैश्विक कंपनी एनवीडिया कॉर्प के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सेन हुआंग ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी कंपनी ने भारत में एआई कम्प्यूटिंग अवसंरचना और एक नवाचार केंद्र बनाने के लिए मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ एक समझौता किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का नया प्रमुख डेटा सेंटर नवीनतम एनवीडिया ब्लैकवेल एआई चिप का उपयोग करेगा।

एनवीडिया की भारत में छह स्थानों पर पहले से ही मौजूदगी है। अमेरिकी कंपनी अपने त्वरित कम्प्यूटिंग स्टैक द्वारा संचालित एआई अवसंरचना बनाने के लिए उद्यमों, क्लाउड प्रदाताओं और स्टार्टअप इकाइयों के साथ काम करती है, जिसमें इसके हजारों उन्नत जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट), उच्च प्रदर्शन नेटवर्किंग और एआई सॉफ्टवेयर मंच और

उपकरण शामिल हैं। यहां एनवीडिया एआई शिखर सम्मेलन-2024 में अंबानी और हुआंग ने एआई में भारत की बदलावकारी क्षमता और इस क्षेत्र में वैश्विक अगुवा के रूप में इसकी उभरती भूमिका पर चर्चा की।

रिलायंस और एनवीडिया के बीच साझेदारी का उद्देश्य देश में एक मजबूत एआई बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। अंबानी का मानना है कि इससे न केवल स्थानीय क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि भारत वैश्विक आसूचना बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित होगा। मुकेश अंबानी ने कहा, भारत एनवीडिया के सर्वश्रेष्ठ उत्पाद के साथ शुरुआत करेगा। हुआंग ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस साझेदारी में ऐसे एप्लिकेशन भी बनाए जाएंगे जिन्हें रिलायंस भारत में अपने उपभोक्ताओं को प्रदान कर सकती है।

# गोवा में सड़क नेटवर्क खड़ा होने से यात्रा का समय हुआ कमः मुख्यमंत्री

**पणजी/भाषा।** गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा है कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में पुलों के साथ मजबूत सड़क नेटवर्क खड़ा होने से यात्रा में लगने वाले समय में काफी कमी आई है। सावंत ने कहा कि केंद्र सरकार ने गोवा के लिए 25,000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि राज्य में 279.38 किलोमीटर लंबा सड़क बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। इसमें गोवा से गुजरने वाले मुंबई-कन्याकुमारी गलियारा का 123.88 किलोमीटर लंबा हिस्सा भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवा को हैदराबाद-पणजी गलियारे में शामिल 67.92 किलोमीटर लंबी सड़क से भी लाभ मिल रहा है। मोरमुगाओ बंदरगाह और दक्षिण गोवा में औद्योगिक क्षेत्र को जोड़ने के लिए 37.5 किलोमीटर लंबी सड़क भी बनाई जा रही है।

# ऑनलाइन गेमिंग तथा डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए धन शोधन बड़ा खतराः रिपोर्ट

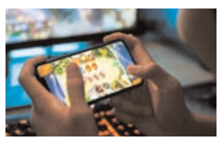

**नई दिल्ली/भाषा।** तेजी से बढ़ते भारतीय ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र को धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के गंभीर खतरे का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में इसकी निरंतर सफलता सुनिश्चित करने और देश की मजबूत डिजिटल अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। डिजिटल इंडिया फाउंडेशन की एक रिपोर्ट में अवैध परिचालकों से निपटने के लिए एक कार्यबल बनाने, वैध संचालकों की श्वेत सूची बनाने, भ्रामक विज्ञापनों से निपटने तथा वित्तीय अखंडता व अंतरराष्ट्रीय सहयोग के सिद्धांतों को शामिल करने की वकालत की गई है। इसमें कहा गया है कि अन्य महत्वपूर्ण उपायों में जन जागरूकता तथा शिक्षा प्रदान करना शामिल है, ताकि उपयोगकर्ता सतर्क निर्णय ले सकें व भ्रामक व्यवहार में संलग्न मंच से बच सकें। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रियल मनी गेमिंग (आरएमजी) क्षेत्र वित्त वर्ष 2019-20 से वित्त वर्ष 2022-23 तक 28 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ वैश्विक बाजार में अग्रणी बन गया है।

# पांच फुट गहरे गड्ढे में गिरने से सात वर्षीय लड़के की मौत

**बेंगलूरु।** बेंगलूरु के काडुगोडी में कथित तौर पर एक निर्माणाधीन इमारत में लिफ्ट लगाने के लिए बनाए गए खुले गड्ढे में गिरने से सात वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सुहास गौड़ा अपने दोस्तों के साथ बुधवार को पांच फुट गहरे गड्ढे के पास खेल रहा था। गड्ढे में बारिश का पानी भरा था और खेलते समय वह अचानक गड्ढे में गिर गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि पीड़िता की मां की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 (लापरवाही से मौत का कारण बनना) के तहत इमारत की देखभाल करने वाले व्यक्ति सहित दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

# भारत में बड़ी ईस्पोर्ट्स प्रतियोगिता लाने की योजना बना रहा है एसओजीएफ

**नई दिल्ली/भाषा।** स्किलहब ऑनलाइन खेल महासंघ (एसओजीएफ) ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह भारत में विश्व स्तरीय टूर्नामेंट लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय ईस्पोर्ट्स महासंघ (आईईएसएफ) के साथ मिलकर काम करेगा। ईस्पोर्ट्स 2023 एशियाई खेलों की सूची का हिस्सा था और भारत इसके प्रमुख बाजार के रूप में उभर रहा है। एसओजीएफ निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप आयोजित करने की योजना बना रहा है।

# मिजोरम और कर्नाटक राज्यों के खाद्य विभाग पर मंत्रिस्तरीय बैठक

**बेंगलूरु।** मिजोरम राज्य के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री बी. लालचनजोवा ने कर्नाटक के खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री केएच मुनियप्पा से मुलाकात की। उन्होंने महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने मिजोरम के मंत्री से चावल आपूर्ति के मुद्दों और राज्य में बाजरा और गेहूं की खरीद कैसे की जाए, इस पर चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि वे राशन कार्ड लाभार्थियों को 5 किलो चावल और शेष 5 किलो चावल के बदले 170 रुपये डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित कर रहे हैं। उन्होंने मंत्री से चर्चा की कि वे मिजोरम राज्य के नागरिकों को 8 किलो चावल वितरित कर रहे हैं। मिजोरम राज्य खाद्य विभाग के सचिव जोडिंगपुई, राज्य खाद्य विभाग के सचिव टी.एच. एन कुमार, आयुक्त वासीरेड्डी विजयजोथन, निगम निदेशक चंद्रकांत, विधिक माप विभाग की नियंत्रक अनिता लक्ष्मी समेत अधिकारी मौजूद थे।

# शोल्ज की भारत यात्रा के दौरान अरिहा पर सकारात्मक नतीजे की उम्मीद कर रहा है जैन समुदाय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अहमदाबाद/भाषा।** जैन समुदाय उम्मीद कर रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज के बीच मुलाकात से अरिहा शाह की वापसी का रास्ता साफ हो जाएगा। एक जैन नेता ने बृहस्पतिवार को यह बात कही।

अरिहा पर मामूली शारीरिक उत्पीड़न के आरोपों के बाद वह तीन साल से ज़्यादा समय से जर्मनी में बाल सेवा केंद्र में है। उसके माता-पिता भावेश और धारा शाह जैन हैं और मूल रूप से महाराष्ट्र के ठाणे जिले के रहने वाले हैं।

‘सेव अरिहा’ अभियान का नेतृत्व कर रहे यतीन शाह ने कहा कि बृहस्पतिवार से शुरू हो रही शोल्ज की भारत यात्रा से पहले इस मुद्दे पर भारत में जर्मन राजदूत फिलिप एकरमैन के बयान के बाद समुदाय को उम्मीद है कि इसका सकारात्मक परिणाम आएगा। अब अरिहा साढ़े तीन साल की हो गयी है। शाह ने ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, ‘‘जैन समुदाय की एकमात्र मांग है कि अरिहा को वापस लाया जाए क्योंकि जब वह केवल सात

महीने की थी तभी उसे जर्मनी में उसके माता-पिता से दूर ले जाया गया था। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चांसलर शोल्ज के बीच बैठक के दौरान सकारात्मक परिणाम की उम्मीद कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि मोदी भारत की बेटी को वापस लाने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करेंगे।’’ उन्होंने कहा कि जर्मन सरकार को भी यह समझना चाहिए कि इंसाफ में देरी इंसाफ से वंचित रखना है।

शाह ने कहा, ‘‘ राजदूत एकरमैन को यह नहीं भूलना चाहिए कि एक मासूम भारतीय बच्ची पिछले तीन सालों से बिना किसी वैध और तार्किक कारण के जेल में है और उसके सभी सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषाई अधिकारों का उनका जर्मन बाल सेवा केंद्र उल्लंघन कर रहा है। हमने पहले ही विदेश मंत्रालय को बता दिया है कि अरिहा जर्मनी में खतरे में है और उसके लिए हर दिन महत्वपूर्ण है।

# वायनाड लोकसभा उपचुनाव : एलडीएफ और भाजपा के उम्मीदवारों ने नामांकन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**वायनाड/भाषा।** केरल में पर्वतीय वायनाड लोकसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के उम्मीदवार सत्यन मोकेरी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार नव्या हरिदास की ओर से बृहस्पतिवार को औपचारिक तौर पर नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद सियासी दंगल में कांटे की टक्कर की रूपरेखा तैयार हो चुकी है। यह उपचुनाव 13 नवंबर को होगा।

इस सीट पर संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की ओर से कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। प्रियंका पहली बार चुनाव लड़ रही हैं।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के वरिष्ठ नेता मोकेरी ने अपना नामांकन दाखिल करने के लिए कलक्ट्रेट तक रोड शो किया। उनके साथ सीपीआई के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम और पार्टी की वरिष्ठ नेता एनी राजा सहित कई अन्य नेता थे। राजा इस अप्रैल में पहाड़ी निर्वाचन क्षेत्र में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ वाम दल के उम्मीदवार थे। कोझिकोड जिले के नादापुरम निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक मोकेरी के समर्थन में सैकड़ों एलडीएफ कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने लाल झंडे लेकर रोड शो में भाग लिया। मोकेरी को कृषि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को हल करने की दिशा में किये गए काम के लिए जाना जाता है। उन्होंने 2014 में वायनाड से लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन तत्कालीन कांग्रेस उम्मीदवार एम आई शनावास से हार गये थे। रोड शो के बाद मोकेरी ने एलडीएफ समन्वयक टीपी रामाकृष्णन की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था।

भाजपा प्रत्याशी हरिदास ने बृहस्पतिवार को दिन में पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और मिजोरम के पूर्व राज्यपाल कुम्मनम राजशेखरन की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया। सिंगापुर और नीदरलैंड में काम करके अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल कर चुकीं हरिदास एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं जो एक दशक तक कोझिकोड में एक पार्षद के रूप में भी काम कर चुकी हैं। हरिदास ने हाल ही में पीटीआई-भाषा' को दिये गए साक्षात्कार में कहा था कि वह कई सालों से जनता का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, इसलिए उन्हें प्रियंका गांधी के खिलाफ लड़ना कुछ अलग नहीं लगता। उन्होंने कहा था, मुझे लगता है कि मेरे पास उनसे अधिक अनुभव है।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के रायबरेली में अपनी जीत के बाद राहुल गांधी द्वारा वायनाड लोकसभा सीट को छोड़ने के कारण इस निर्वाचन क्षेत्र के लिए उपचुनाव आवश्यक हो गया है।

वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में सात विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं - वायनाड जिले के मनंथावाडी (अनुसूचित जानजाति के लिए सुरक्षित), सुल्तान बाथरी (अनुसूचित जनाजाति के लिए सुरक्षित) और कलपेट्टा, कोझिकोड जिले का तिरुवम्बाडी और मलप्पुरम जिले का एरानाड, नीलांबुर और वंडूर। इनमें से वंडूर, कलपेट्टा एवं अब्द सुल्तान बाथरी का प्रतिनिधित्व कांग्रेस कर रही है। एरानाड सीट कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के पी के बशीर के पास है। नीलांबुर के निर्दलीय विधायक पी वी अनवर पहले ही प्रियंका के लिए समर्थन व्यक्त कर चुके हैं। अनवर हाल ही में सत्तारूढ़ सीपीएम के नेतृत्व वाले एलडीएफ से अलग हो गए हैं।

### केरल उपचुनाव

## पलक्कड़ में त्रिकोणीय मुकाबले की संभावना, उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पलक्कड़/भाषा।** केरल के पलक्कड़ विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ने के साथ त्रिकोणीय मुकाबले की संभावना जताई जा रही है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सहित तीन प्रमुख राजनीतिक घटकों के उम्मीदवारों ने बृहस्पतिवार को अपना नामांकन दाखिल किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी कृष्णकुमार ने बुधवार को अपना नामांकन दाखिल किया था।

यूडीएफ उम्मीदवार राहुल ममकूटथिल और एलडीएफ के डॉ. पी सरीन ने बृहस्पतिवार को राजस्व प्रभागीय अधिकारी एवं निर्वाचन अधिकारी एस. श्रीजीत के समक्ष अपने नामांकन दाखिल किए। कांग्रेस के पलक्कड़ जिला समिति कार्यालय से यूडीएफ की रैली के बाद ममकूटथिल ने अपराह्न करीब 12 बजे अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं विधायक पीसी विष्णुनाथ, इस निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं मौजूदा सांसद शफी परमबिल और यूडीएफ के अन्य नेता भी मौजूद थे। नामांकन दाखिल करने से पहले ममकूटथिल पलक्कड़ में अपने किराए के नए फ्लैट में गृह प्रवेश समारोह में शामिल हुए। पलक्कड़ से नामांकन भरने के लिए सरीन माकपा के जिला समिति के कार्यालय से आरडीओ कार्यालय पहुंचे और इस दौरान उनके साथ वाम मोर्चे के कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कांग्रेस की प्रदेश इकाई के डिजिटल मीडिया प्रकोष्ठ के संयोजक रह चुके सरीन बृहस्पतिवार को नामांकन दाखिल करने से पहले त्रिशूर में मुरली मंदिरम स्थित के करुणाकरन के स्मारक पर पहुंचे। कांग्रेस की ओर से ममकूटथिल को निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी उम्मीदवार बनाए जाने के बाद सरीन ने हाल ही में कांग्रेस छोड़ दी थी। बाद में वह माकपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हो गए, जिसने उन्हें स्वतंत्र उम्मीदवार बना दिया।

कांग्रेस के शफी परमबिल और माकपा सदस्य के. राधाकृष्णन के, वडकारा और अलाथुर निर्वाचन क्षेत्रों से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद पलक्कड़ और चेलक्कारा विधानसभा सीट खाली हो गई हैं इसीलिए इन सीट पर उपचुनाव जरूरी हो गया है।

पलक्कड़ सीट पर 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार 'मेट्रोमैन' ई श्रीधरन, परमबिल से 3,850 मतों के अंतर से हार गए थे, जबकि माकपा उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे।

शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है। 28 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर है। पलक्कड़ और चेलक्कारा विधानसभा सीट तथा वायनाड लोकसभा सीट के लिए मतदान 13 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी।

## अनुसंधान संभावनाओं पर 14 वें इनस्पा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

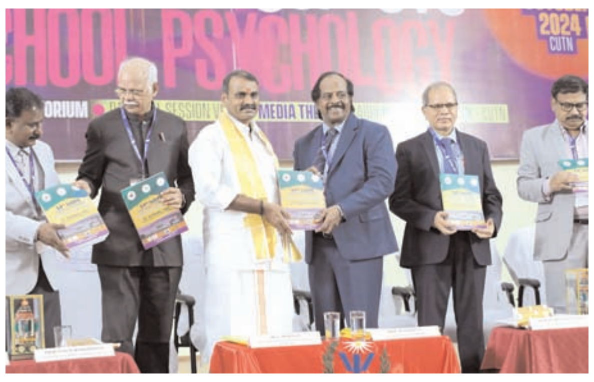

**चेन्नई।** केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने 24 अक्टूबर को तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर में स्कूल मनोविज्ञान में शोध संभावनाओं पर 14 वें इनस्पा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

26 अक्टूबर तक चलने वाले यह ऐतिहासिक कार्यक्रम भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर)के तत्वावधान में हुआ इसका उद्देश्य विभिन्न शैक्षणिक सेटिंग्स में छात्रों के सामने आने वाली बढ़ती मनो-सामाजिक चुनौतियों का समाधान करना है, जिसमें विभिन्न जातीय, भाषाई और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के बच्चों पर विशेष जोर दिया जाएगा।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कहा कि, केंद्र सरकार सभी क्षेत्रों में हमारे महान राष्ट्र के विकास के लिए काम कर रही है। मनोविज्ञान, एक अनुशासन के रूप में, जीवन के हर पहलू में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, खासकर जब बात हमारे छात्रों की भलाई की हो। यह सम्मेलन स्कूली छात्रों के लिए एक सुरक्षित और पोषण वातावरण बनाने की हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

डॉ. एल. मुरुगन ने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हुई कि तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय, तिरुवरुर, भारतीय विद्यालय मनोविज्ञान संघ के सहयोग से, विद्यालय मनोविज्ञान में शोध की संभावनाएँ विषय पर इस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, जो आज की दुनिया में प्रासंगिक और आवश्यक दोनों है। उन्होंने कहा, हमारे वर्तमान युग में, मानसिक स्वास्थ्य और विद्यालय मनोविज्ञान की अवधारणाएँ राष्ट्र निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हो गई हैं। कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण समय के दौरान, भारत ने आत्मनिर्भर बनकर, टीके विकसित करके और उन्हें अपने लोगों और अन्य देशों को भी निःशुल्क प्रदान करके अपनी लचीलापन साबित किया है।

उन्होंने आगे कहा, मैंने सम्मेलन की कार्यवाही देखी है और पाया है कि इसमें रूस, फ्रांस, लंदन, जापान, थाईलैंड, मॉरीशस और अन्य देशों के प्रतिनिधि शामिल हैं। मुझे खुशी है कि तीन दिवसीय सम्मेलन में पूरे देश से प्रतिनिधि बड़े पैमाने पर भाग ले रहे हैं। मुझे स्कूल मनोविज्ञान में शोध संभावनाओं पर 14 वें खपढ्ढ-अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत करने और संघ की पाँच नई पुस्तकों का विमोचन करने पर खुशी हो रही है। संघ के कुलपति प्रो. एम. कृष्णन ने कहा, उच्च शिक्षा का मतलब सिर्फ़ डिग्री हासिल करना नहीं है। इसका असली महत्व समुदायों को ऊपर उठाने और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने की इसकी क्षमता में निहित है।

संस्थान में हमारा मिशन वंचितों तक उच्च शिक्षा का लाभ पहुँचाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ज्ञान और शिक्षा का लाभ हमारे समाज के हर कोने तक पहुँचे। प्रोफ़ेसर कृष्णन ने कहा, सीयूटीएन 45 गांवों से घिरा हुआ है और हम इन समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम पीने का पानी, बेहतर सड़कें, सौर प्रकाश व्यवस्था और गांव में पुस्तकालय बनाने जैसी ज़रूरी सहायता प्रदान कर रहे हैं। प्रोफ़ेसर कृष्णन ने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सहयोग और सहकारिता बहुत ज़रूरी है। हमें सभी विषयों और समुदायों के साथ मिलकर काम करना चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे प्रयास स्थायी परिणाम दें। नवाचार सभी के लिए सुलभ होना चाहिए, गाँव के अंतिम व्यक्ति या हमारे देश के सबसे दूरदराज के कोने तक पहुँचना चाहिए।

### सीएसआर पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

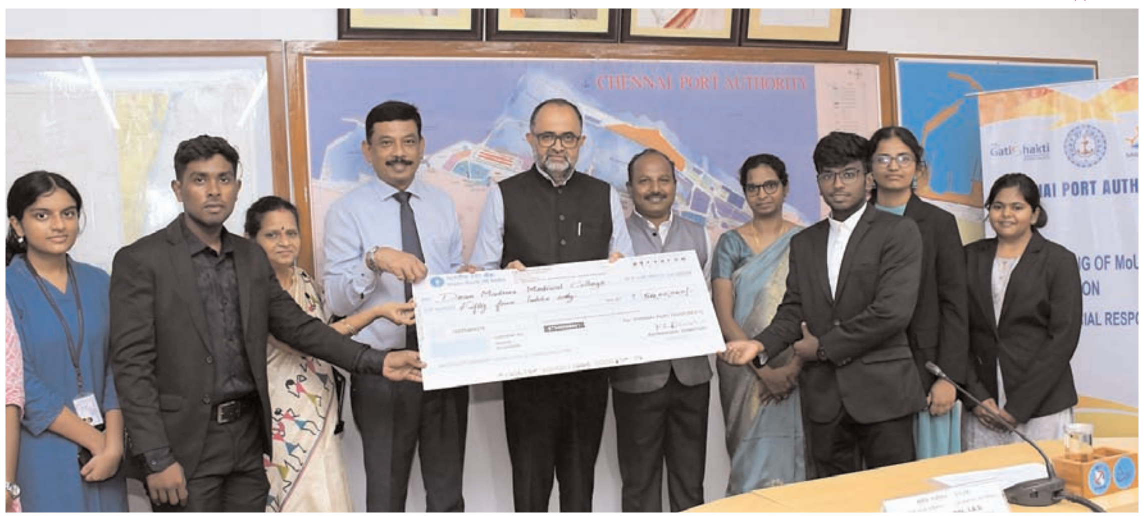

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी ने 2024-2025 के लिए सीएसआर पहल के माध्यम से सामाजिक विकास के लिए 2.79 करोड़ रुपये देने की प्रतिबद्धता जताते हुए सहायता प्रदान की। मद्रास मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ. थेरानी राजन, तमिलनाडु पुलिस के एसीपी भास्कर, विवेकानंद संस्कृति केन्द्र के महेश महाराज उपस्थित थे।

## श्रीलंका में 16 मछुआरों की गिरफ्तार पर स्टालिन ने विदेश मंत्री जयशंकर से त्वरित कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर को श्रीलंका द्वारा 16 मछुआरों की गिरफ्तारी और उनकी दो नौकाओं को जब्त करने की घटना से अवगत कराया, तथा उनकी शीघ्र रिहाई के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। जयशंकर को पत्र लिखकर स्टालिन ने कहा कि रामेश्वरम के रहने वाले मछुआरों को श्रीलंका नौसेना ने 23 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि मछुआरों की गिरफ्तारी रोकने के लिए कार्रवाई शुरू की जाए और श्रीलंका से तमिलनाडु के सभी 128 मछुआरों की जल्द रिहाई सुनिश्चित की जाए।

इसके साथ ही अब भी मछली पकड़ने वाली 199 नौकाया श्रीलंका के प्राधिकारियों के कब्जे में हैं और उन्हें जल्द छुड़वाने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि संयुक्त कार्य समूह के प्रस्तावित विचार-विमर्श से हम इस गंभीर मुद्दे के स्थायी समाधान के करीब पहुंच जाएंगे।

## इमारत के फर्श में दरार आने से कर्मचारियों में दशहत फैली

**चेन्नई।** तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में बृहस्पतिवार को राज्य सरकार की बहुमंजिला इमारत की पहली मंजिल की टाइल में अचानक दरार आने से कर्मचारियों में दहशत फैल गई और वे इमारत गिरने की आशंका के कारण परिसर से बाहर निकल आए। तमिलनाडु के लोक निर्माण, राजमार्ग एवं लघु बंदरगाह मंत्री ई. वी. वेलु तुरंत 'नमक्कल कविग्नर मालिगई' पहुंचे और उन्होंने कहा कि इमारत को कोई खतरा नहीं है। इस इमारत में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के कार्यालय हैं।

मंत्री ने ऐतिहासिक 'फोर्ट सेंट जॉर्ज' परिसर में 1974 में बनी इमारत का निरीक्षण करने के बाद कहा, नमक्कल कविग्नर मालिगई इमारत को कोई खतरा नहीं है। यह स्थिर है। फोर्ट सेंट जॉर्ज' परिसर में राज्य सचिवालय समेत विभिन्न सरकारी कार्यालय हैं। सरकारी विभाग के अभियंताओं के साथ आए मंत्री ने कहा कि कृषि विभाग की पहली मंजिल की टाइल में 'एयर क्रेक' आने से कर्मचारियों में यह आशंका पैदा हो गई कि इमारत को कुछ हो सकता है। मौसम में बदलाव के कारण टाइल के टूटने को 'एयर क्रेक' कहा जाता है। हालांकि खराब तरीके से टाइल लगाने के कारण भी ऐसा होता है जब सीमेंट की सतह बनाने के लिए रेत, सीमेंट और पानी को समान रूप से नहीं मिलाया जाता है, तो टाइल के नीचे हवा भर जाती है जिससे टाइल टूटने लगती है। वेलु ने बाद में संवाददाताओं से कहा, टाइल लगभग 14 साल पहले बिछाई गई थीं। वर्ष 1974 में बनी इमारत में समय बीतने के कारण उनमें 'एयर क्रेक' आ गई। पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता, कार्यकारी अभियंता और अन्य अधिकारियों ने निरीक्षण किया और कहा कि इमारत की स्थिति ठीक है। उन्होंने कहा कि आज या कल में मरम्मत कर इसे ठीक कर दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि इसलिए घबराने की कोई जरूरत नहीं है, जिसके बाद कर्मचारी काम के लिए इमारत में वापस आ गए।

## जीएसटी विभाग ने त्रिशूर में छापेमारी कर 104 किलोग्राम सोना जब्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**त्रिशूर/भाषा।** सोने के व्यापार के लिए मशहूर त्रिशूर में केरल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के अधिकारियों ने स्वर्ण आभूषण निर्माण इकाइयों पर छापेमारी कर बेहिसाबी 104 किलोग्राम सोना जब्त किया जिसका बाजार मूल्य 75 करोड़ रुपये है। इस अभियान को 'टोरे डेल ओरो' नाम दिया गया है जिसे राज्य में अपनी तरह का सबसे बड़ा अभियान माना जाता है। यह नाम एक स्पेनिश शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ है 'सोने की मीनार'। बुधवार शाम शुरू हुआ यह अभियान बृहस्पतिवार को भी जारी रहा और इस दौरान 700 से अधिक अधिकारियों ने पूरे मध्य केरल जिले में विनिर्माण इकाइयों और जौहरियों के घरों सहित लगभग 78 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि राज्य जीएसटी विभाग की खुफिया शाखा पिछले छह माह से आभूषण निर्माताओं द्वारा की जा रही कथित जीएसटी धोखाधड़ी की जांच कर रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने 104 किलोग्राम सोना जब्त करने के अलावा बिलिंग और कराधान प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण अनियमितताएं पाईं। इससे पहले, सूत्रों ने बताया कि छापेमारी के दौरान बेहिसाबी 120 किलोग्राम सोना जब्त किया गया।

जीएसटी के विशेष आयुक्त अब्राहम रेन एस के नेतृत्व में यह व्यापक छापेमारी की गई। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए राज्य भर के अधिकारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के बहाने त्रिशूर बुलाया गया और ''स्टडी टूर'' लिखे बैनरों के साथ बसों में विभिन्न स्थानों पर ले जाया गया। राज्य जीएसटी खुफिया आयुक्त दिनेश कुमार ने बताया कि अभियान 'टोरे डेल ओरो' जारी रहेगा।

## चेन्नई बंदरगाह ने मनाया बंदरगाह दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** चेन्नई बंदरगाह के निर्माण के उपलक्ष्य में 21 अक्टूबर को चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण में बंदरगाह दिवस समारोह काआयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण (सीएचपीए) के अध्यक्ष आईएएस अधिकारी सुनील पालीवाल ने की। इस मौके पर सीएचपीए के उप अध्यक्ष एस विश्वनाथ; आईएएस, एमडी केपीएल की आइरीन सिंथिया, आईएएस; मुख्य सतर्कता अधिकारी एस मुरलीकृष्णन आईडीएएस सहित सीएचपीए और केपीएल के वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य उपस्थित थे।

चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण के सचिव इंद्रनील हाजरा ने बंदरगाह की समृद्ध विरासत और गौरवशाली इतिहास को कवर करते हुए स्वागत भाषण दिया, जिसके बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और सत्य के गीतांजलि म्यूजिकल ग्रुप द्वारा लाइव संगीत शो का आयोजन किया गया। संगीतमय आनंद के बाद, एक प्रस्तुति दिखाई गई, जिसमें आईएपीएच पुरस्कार (अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह और हार्बर संघ) के मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला गया, जहां चेन्नई पोर्ट सामुदायिक भवन श्रेणी में आईएपीएच स्थिरता पुरस्कार 2024 प्राप्त करने वाला पहला भारतीय बंदरगाह है।

उप अध्यक्ष एस विश्वनाथन ने अपने संबोधन में हितधारकों, अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए योगदान को स्वीकार किया और पिछले वर्ष के दौरान उनकी बहुमूल्य सेवा के लिए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया और बंदरगाह के निरंतर विकास के लिए पूरी क्षमता से काम करने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती जे.पी. आइरीन सिंथिया ने अपने संबोधन में चेन्नई शहर के विकास के लिए चेन्नई बंदरगाह के इतिहास का पता लगाया और दोनों संस्थाओं के बीच तालमेल के लिए चेन्नई बंदरगाह के हितधारकों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। चेयरमैन सुनील पालीवाल ने अपने अध्यक्षीय भाषण में अधिकारियों, कर्मचारियों, बंदरगाह उपयोगकर्ताओं और हितधारकों को बधाई दी, बंदरगाह के समग्र कामकाज पर संतोष व्यक्त किया और चेन्नई बंदरगाह को एक भविष्यवादी बंदरगाह बनाने में उनके निरंतर प्रयासों के लिए चेन्नई बंदरगाह के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।

अध्यक्ष ने बंदरगाह संचालन में अपेक्षाओं को पार करने के लिए चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण और कामराजर पोर्ट लिमिटेड दोनों को बधाई दी। अध्यक्ष ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले व्यापारिक साझेदारों को पुरस्कृत किया और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी। स्वच्छता ही सेवा अभियान के पुरस्कार विजेता सीएचपीए के कर्मचारियों और सीएचपी और डीईटी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों को उन्हें और अधिक प्रेरित करने के लिए स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने बंदरगाह विकास में योगदान देने के लिए सकारात्मकता और उद्देश्य की भावना प्रदर्शित की।

## कोयंबटूर और बरौनी के बीच विशेष ट्रेनें

**चेन्नई।** दक्षिण रेलवे की विज्ञप्ति के अनुसार दीपावली और छठ त्योहार के मद्देनजर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए विशेष ट्रेन सं. 06055/06056 कोयंबटूर-बरौनी-कोयंबटूर एक्सप्रेस की चार फेरे लगाए जाएंगे।

ट्रेन नं. 06055 कोयंबटूर-बरौनी त्योहार विशेष 26 अक्टूबर, 02 , 09 , 16 नवंबर (शनिवार) को कोयंबटूर से 11.50 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 14.30 बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 06056 बरौनी-कोयंबटूर त्योहार स्पेशल 29 अक्टूबर, 05 , 12 , 19 नवंबर (मंगलवार) को 23.45 बजे बरौनी से रवाना होगी और चौथे दिन 03.45 बजे कोयंबटूर पहुंचेगी। इस ट्रेन में 6 - एसी थ्री टियर कोच, 8 - स्लीपर क्लास कोच, 1 - सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 1 - द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) और 1 - लगेज सह ब्रेक वैन होंगे।

**पुरुलिया-तिरुनेलवेली सुपरफास्ट हुई रद्द :** दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण पूर्व रेलवे ने चक्रवात 'दाना' के कारण सुरक्षा उपाय के रूप में ट्रेन संख्या 22605 पुरुलिया-तिरुनेलवेली सुपरफास्ट एक्स., जो 25 अक्टूबर को 10.00 बजे पुरुलिया से निकलने वाली है, रद्द है।

# विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की संस्कृति विकसित हो : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम इस तरह से तैयार करने पर जोर दिया है जिससे विद्यार्थी नौकरी करने के लिए नहीं बल्कि नौकरी देने वालों के रूप में तैयार हो सकें। बागड़े राजभवन में राज्य के वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में नेक रैंकिंग और नई शिक्षा नीति से जुड़े मुद्दों पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालयों का रोस्टर बनाने, कॉलेजों की नैक रैंकिंग के लिए तैयारी करने पर भी जोर दिया। राजभवन के बयान के अनुसार बागड़े ने राज्य के सभी वित्तपोषित विश्वविद्यालयों की आवश्यक रूप से नेक रैंकिंग करवाने और इसके लिए अब तक की गई तैयारी की समीक्षा की।उन्होंने कहा कि राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण संस्कृति विकसित करने के लिए नैक रैंकिंग जरूरी है। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालयों को पाठ्यचर्या को बेहतर बनाने, शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन व्यवस्था सुदृढ़ करने, अनुसंधान और नवाचारों को अपनाते हुए संस्थागत रूप में श्रेष्ठ प्रथाए अपने यहां विकसित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नैक रैंकिंग से विश्वविद्यालयों की विश्वसनीयता बढ़ेगी, वे सक्रिय और जीवंत हो सकेंगे तथा इससे उन्हें विभिन्न एजेंसियों से समुचित आर्थिक सहायता समय पर मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान उच्च शिक्षा में अग्रणी बने, इसके लिए सभी विश्वविद्यालय नैक रैंकिंग की आवश्यक तैयारियां और समय पर इस संबंध में आवेदन प्रस्तुत करें।

उन्होंने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भी ऐसे पाठ्यक्रम और नवाचार अपनाने पर जोर दिया जिससे भारत विश्व भर में ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में तेजी से अपना महती स्थान बना सकें। उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में कौशल विकास की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रयास किया जाए कि राजस्थान 'विकसित भारत' के संकल्प को शिक्षा के जरिए पूरा करने में देशभर में अग्रणी बनें।

कार्यशाला में राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों की नैक रैंकिंग के लिए मुख्य बिन्दुओं पर केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने प्रस्तुतिकरण दिया, इस संबंध में विभिन्न स्तरों पर कुलपतियों का विमर्श भी हुआ। उन्होंने विश्वविद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विकास और कार्यप्रणाली को सुदृढ किए जाने संबंधित सुझाव दिए। इस दौरान विश्वविद्यालयों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और नई शिक्षा नीति से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई।

# भगवान महावीर के अहिंसा आदर्श को अपनाते हुए कार्य करें : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि भगवान महावीर ने अहिंसा, अपरिग्रह और मानव मात्र ही नहीं जीव जंतुओं तक के प्रति करूणा रखते कार्य करने का जो संदेश दिया वह आज भी प्रासंगिक है।

उन्होंने 'अहिंसा' पर्व पर उनके जिएं और जीने दो के संदेश से सीख लेते हुए सभी को मानवता के लिए कार्य किए जाने पर जोर दिया। बागड़े गुरूवार को राजस्थान जैन सभा द्वारा आयोजित 'अहिंसा पर्व वर्ष 2551' के शुभारंभ समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव को आगामी 1 नवम्बर 2024 को 2500 वर्ष पूर्ण हो जाएंगे। यह समय उनकी शिक्षाओं को आगे बढ़ाते हुए भारत के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने का है।

राज्यपाल बागड़े ने जैन धर्म में तीर्थंकरों की परम्परा की चर्चा करते हुए कहा कि भगवान महावीर ने युगीन संदर्भों में जीवन के आदर्श की राह दिखाई। उन्होंने कहा कि उनके अहिंसा, अपरिग्रह एवं अनेकांत के आचरण को अपनाने, सभी के प्रति मनवन कर्म से शुद्ध रहते हुए जीवन जीने की शिक्षा को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इससे पहले राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने 'अहिंसा पर्व' मनाए जाने की कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्यपाल ने आरंभ में जैन मुनिगण को प्रणाम निवेदित कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने भगवान महावीर के निर्वाणोत्सव को 'अहिंसा पर्व' रूप में मनाने की पहल की सराहना की।

# कांग्रेस ने सभी सात सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस ने राजस्थान की उन सभी सात विधानसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है जहां उपचुनाव हो रहे हैं। कांग्रेस की ओर से बुधवार देर रात उम्मीदवारों की सूची जारी की गई। इसके अनुसार पार्टी ने झुंझुनू से मौजूदा सांसद बृजेंद्र ओला के बेटे अमित ओला को मैदान में उतारा है। वहीं आर्यन खान को रामगढ़ सीट से टिकट दिया गया है, जो उनके विधायक पिता जुबैर खान के निधन के बाद खाली हुई थी। पार्टी ने दौसा सीट से दीनदयाल बैरवा, देवली–उनियारा से कस्तूर चंद मीणा, खींवसर से रतन चौधरी, चौरासी से महेश रोत और सलूंबर सीट से रेशमा मीणा उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस पार्टी ने उपचुनाव के लिए किसी क्षेत्रीय पार्टी के साथ गठबंधन नहीं किया है।

राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सात में से छह सीटों पर पहले ही उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने अब तक चौरासी सीट के लिए उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है। राज्य की सात विधानसभा सीटों – झुंझुनू, दौसा, देवली–उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूंबर और रामगढ़ में होने वाले उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। नामांकन की प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हुई और नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है। राज्य विधानसभा में कुल 200 सीट हैं जिनमें से पांच सीट विधायकों के सांसद बनने के कारण और दो सीट विधायकों के निधन के कारण खाली हुई है।

जिन सात विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं उनमें झुंझुनू सीट कांग्रेस के विधायक बृजेंद्र ओला, दौसा सीट कांग्रेस के विधायक मुरारी लाल मीणा, देवली उनियारा सीट कांग्रेस के विधायक हरीश चंद्र मीणा, खींवसर सीट राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के विधायक हनुमान बेनीवाल और चौरासी सीट भारत आदिवासी पार्टी के विधायक राजकुमार रोत के इस्तीफा देने के कारण खाली हुई हैं। इन सभी विधायकों ने इस साल संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में सांसद चुने जाने के बाद इस्तीफा दिया था।

# 'दीपावली पर मिट्टी से बने उत्पादों को उपहार में दें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने प्रदेशवासियों से दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाकर खुशियां मनाने के साथ रसोई में पकवान मिट्टी के बर्तनों में बनाकर नई शुरूआत कर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील की है। टाक गुरुवार को उद्योग भवन स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस दिवाली नवाचार करते हुए मिट्टी के खिलौने, बर्तनों को उपहार स्वरूप दें।

उन्होंने आमजन एवं राजस्थान के कार्पोरेट घराने, बड़े उद्योगपतियों से आग्रह किया है कि दीपावली के पावन पर्व पर मिट्टी से बने हुए उत्पाद जैसे खिलौने, मूर्तियां, कप, खाना बनाने के बर्तन आदि उपहार में दें। उन्होंने कहा कि ऐसा करने पर कुम्हार कामगारों को अधिक से अधिक रोजगार मिलेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी। इससे प्रधानमंत्री के लोकल फॉर वोकल और मुख्यमंत्री के राइजिंग राजस्थान का आव्हान भी सफल होगा। इस नवाचार को गति देने के लिए बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक ने राजस्थान के सभी विधायकों एवं सांसदों को दीपावली की शुभकामना सन्देश के साथ पत्र लिखकर आव्हान किया है कि वे इस दीपावली पर अपने शुभचिंतकों को मिट्टी के दीये, खिलौने, मूर्तियां एवं खाना बनाने के बर्तन उपहार में दें।

टाक ने कहा कि माटी कला कामगारों को रोजगार देने एवं उनके उत्थान की दिशा में मुख्यमंत्री की बजट घोषणा में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस की स्थापना के लिए 5 करोड़ रुपए की घोषणा की गई है, जिसके संबंध में बोर्ड द्वारा जमीन आवंटन के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। भूमि आवंटन के बाद बोर्ड द्वारा सेंटर ऑफ एक्सिलेंस की स्थापना के लिए अग्रिम कार्यवाही कर दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में कामगारों के प्रशिक्षण, नवीन व उन्नत तकनीकी मशीनरी, मार्केटिंग और ब्रांडिंग, माटीकला पर्यटन, प्रशासनिक, गेस्ट हाउस एंव हॉस्टल, अनुसंधान एवं विकास एवं माटीकला आधुनिक फरनेंस सिस्टम के लिए अलग–अलग ब्लॉक बनाये जाएंगे।

श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष ने बताया कि सेंटर ऑफ एक्सिलेंस बनने से प्रदेश की माटी कला को नई दिशा मिलेगी। माटी कला उद्योगों का विकास होगा तथा व्यवसाय में बढ़ोतरी भी होगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की बजट घोषणा के अनुसार 1000 इलेक्ट्रिक चाक एवं मिट्टी गूंथने की मशीनों का वितरण किया जायेगा जिससे चालू वित्त वर्ष में 10 हजार रोजगार प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन के अनुसार दस्तकारों को इलेक्ट्रिक चाक एवं मिट्टी गूंथने की मशीनों का वितरण, सेंटर ऑफ एक्सिलेंस की स्थापना, निःशुल्क प्रशिक्षण, जागरूकता एवं वितरण शिविरों का आयोजन, दस्तकारों के लिए बोर्ड की सभी सेवाओ के लिए ऑनलाइन शुरूआत, प्रतिवर्ष राजस्थान माटी उत्सव का आयोजन, दस्तकारों का बोर्ड द्वारा पंजीकरण कर माटी कला कार्ड बनवाया जाएगा।

# उद्यमियों के निवेश से राजस्थान बनेगा आर्थिक रूप से विकसित राज्य : झाबर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राइजिंग राजस्थान के तहत ब्यावर में जिला स्तरीय इन्वेस्टर मीट का कार्यक्रम गुरुवार को देलवाड़ा रोड स्थित गीता रिसोर्ट में आयोजित हुआ। इन्वेस्टर मीट के मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री व नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग के मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कार्यक्रम में मौजूद उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि उद्यमियों के निवेश से राजस्थान आर्थिक रूप से विकसित राज्य बनेगा। यशस्वी प्रधानमंत्री के दूरदर्शी सोच व बड़े फैसलों से भारत की विदेशों में साख बनी है। केंद्र व राज्य सरकार उद्योगों के लिए नई योजनाएं लाई जा रही है साथ ही छोटे–बड़े उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का पहला बजट सभी वर्गों के साथ ही उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए विशेष केंद्रित रहा। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को धरातल पर प्रभावी व जल्द क्रियान्विति के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विदेशों से भी उद्योग से जुड़े एमओयू कर औद्योगिक क्रांति के रूप में प्रगति के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सरकार ऊर्जा में तेजी के साथ समझौते कर रही है जिससे विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में आने वाले समय में राजस्थान सक्षम बनेगा एवं उद्योगों को आवश्यकता के अनुरूप विद्युत आपूर्ति की जा सकेगी। उन्होंने उद्यमियों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उद्योगों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को दूर करेगी। ब्यावर लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष सचिन नाहर व ब्यावर लघु उद्योग संघ के अध्यक्ष आशीषपाल पदावत ने भी निवेश, उद्योग से जुड़ी समस्याओं से अवगत करवाया साथ ही कहा कि ब्यावर जिले के उद्यमी आगे भी जिले में निरंतर निवेश करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रभारी मंत्री, जिला कलेक्टर व जनप्रतिनिधियों की प्रेरणा व सहयोग मिलने से आश्वस्त उद्यमीगणों ने जिले में 2845 करोड़ निवेश के एमओयू किए। निवेश के फलस्वरूप जिले के लगभग 8 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी व आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी।ब्यावर जिले में सबसे बड़ा निवेश सीमेंट लिमिटेड द्वारा 1872 करोड़ का किया गया। इसके अतिरिक्त अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड द्वारा भी सीमेंट क्षेत्र में 800 करोड़ निवेश का एमओयू किया गया। इसके अतिरिक्त इंटेक ऑर्गेनिक्स द्वारा केमिकल प्रोडक्ट के क्षेत्र में 36 करोड़, मेसर्स परम अमृत प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एम्यूजमेंट पार्क के लिए 8.9 करोड़ , मेसर्स के.लीन ऑयल एनर्जी द्वारा पेट्रो केमिकल के क्षेत्र में 7.75 करोड़, मेसर्स विनोद कुमार गर्ग द्वारा होटल क्षेत्र में 7.72 करोड़ सहित कुल 52 कंपनियों द्वारा 2845 करोड़ के एमओयू किए गए।

## संबोधन

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को राजस्थान के झुंझुनू में आगामी राजस्थान विधानसभा उपचुनाव के लिए झुंझुनू विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र भांभू के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित किया।

# सिरोही जिले में सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरोही। राजस्थान के सिरोही जिले में बृहस्पतिवार सुबह सड़क हादसे में दो महिलाओं तथा एक बच्ची समेत एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई और एक अन्य महिला घायल हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कोतवाली के थाना प्रभारी कैलाश दान ने बताया कि यह हादसा ब्यावर–पिंडवाड़ा राजमार्ग पर हुआ जब एक तेज रफ्तार कार टायर फटने के कारण पलट गई। उन्होंने बताया कि कार में सवार लोग गुजरात से फलौदी से जा रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि हादसे में प्रताप (53), उनकी पत्नी उषा (48), रामूराम (50), पूजा (25) और आशु (11 माह) की मौत हो गई तथा एक अन्य महिला घायल है। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

# कला का सम्मान हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा : मिश्र

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कला का सम्मान हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है इसलिए हमें कलाकारों की कला को हमेशा सम्मान की दृष्टि से देखना चाहिए तथा उन्हें बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। मिश्र गुरुवार को नई दिल्ली के बीकानेर हाऊस में आयोजित मशहूर चित्र कलाकार श्रीमती किरण सोनी गुप्ता की पांच दिवसीय कला प्रदर्शनी एन आर्ट ओडिसी के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। मिश्र ने कहा कि इस कला प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई सभी पेंटिंग्स को कलाकार ने अपनी जीवंतता के साथ बनाकर दिखाया है। इस कला प्रदर्शनी में राजस्थान की कला– संस्कृति, हेरिटेज को प्रभावी रूप से दिखाना प्रदेश के लिए गौरव और प्रशंसा की बात है। श्रीमती किरण सोनी गुप्ता ने कहा कि यह प्रदर्शनी 24 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक बीकानेर हाउस के 'लिविंग ट्रेडीशन सेंटर' में चलेगी। कला प्रेमियों के लिए यह प्रदर्शनी निशुल्क रखी गई है जो सुबह 11:00 बजे से शाम 7:00 तक यहां विजिट कर सकते हैं।उल्लेखनीय है कि इस कला प्रदर्शनी की मुख्य कलाकार श्रीमती किरण सोनी गुप्ता 1985 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी है और भारत सरकार और राजस्थान सरकार में इन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर काम करते हुए अपनी पेंटिंग्स से देश–विदेश में नाम रोशन किया है। श्रीमती सोनी का नरेगा पूजा टाइम्स और शेल्टर्स आर्टवर्क 2012 , 2013 और 2017 में पेरिस में प्रदर्शित हो चुका है। देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित श्रीमती सोनी का आर्टवर्क बीकानेर हाउस में दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

# राजस्थान बिजली क्षेत्र में होगा आत्मनिर्भर : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि वर्ष 2027 तक हम बिजली के क्षेत्र में पूरी तरह आत्मनिर्भर हो जायेंगे और उसके बाद हम किसानों को रात में नहीं दिन में बिजली देंगे, जिससे किसान भी रात में नींद ले सकें। शर्मा ने गुरुवार को रामगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी सुखवंत सिंह की नामांकन रैली को संबोधित करते हुये कहा कि हमारी सरकार बिना भेदभाव के काम करती है और सभी विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिये घोषणायें करती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है, वह करती है। यह पहला बजट है और यह ट्रेलर है। अभी और भी बजट आयेंगे। सरकार राजस्थान को विकसित राजस्थान बनाना चाहती है और देश का पहला राज्य होगा, जो पूर्ण रूप से विकसित होगा।

शर्मा ने कहा कि जो घोषणायें हमने अपने संकल्प पत्र में पांच वर्ष के लिये की थीं, उनमें से 50 फ़ीसदी घोषणायें मात्र 10 महीने में पूरी कर दी और बाकी संकल्प पत्र में किये गये सभी वायदे लगातार पूरे किये जाने के प्रयास किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग झूठ और लूट की बात करते हैं। अफवाह फैलाते हैं। लोगों को सपने दिखाते हैं कि भाजपा पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) कहां से ला रही है। जब उनका राज था तो उन्होंने इस संबंध में बात भी नहीं कि अब भाजपा की सरकार बनते ही ईआरसीपी की बात कर रही है। शर्मा ने कहा, वह कह रहे हैं कि पानी कितना लेकर आयेंगे, हमने कहा कि जो हमने वायदा किया है, उससे ज्यादा पानी लेकर आयेंगे। हमने इस संबंध में करार कर लिया है और अब उसका शिलान्यास करने जा रहे हैं। उन्होंने यमुना समझौते का जिक्र करते हुये कहा कि हरियाणा में हुये विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने कहा था कि अगर कांग्रेस की सरकार हरियाणा में बनी तो राजस्थान से यमुना समझौता रद्द कर देंगे ।

# सहायक पुलिस उपनिरीक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एक दल ने बुधवार को जयपुर के खोह नागोरियान थाने के सहायक पुलिस उपनिरीक्षक एवं बिचौलिये को एक परिवादी से 50 हजार रुपये की कथित रिश्वत लेते रंगें हाथों गिरफ्तार कर लिया। ब्यूरो के बयान के अनुसार यह कार्रवाई जाल बिछाकर की गई और सहायक पुलिस उपनिरीक्षक बलबीर सिंह के सरकारी क्वॉटर की तलाशी में एक लाख 82 हजार रुपये की नकद भी बरामद हुई है।

ब्यूरो के महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि आरोपी सहायक पुलिस उपनिरीक्षक और अनुसंधान अधिकारी बलबीर सिंह ने परिवादी के भाई के विरूद्ध दर्ज मुकदमें में उसे आरोपी नहीं बनाने की एवज में अपने बिचौलिए के जरिये एक लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी।

# चिकित्सकों की हड़ताल समाप्त

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में रेजिडेंट चिकित्सकों ने अपनी हड़ताल बुधवार शाम समाप्त करने की घोषणा की। ये चिकित्सक अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शनिवार रात से हड़ताल पर थे। 'जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स (जार्ड)' के एक बयान के अनुसार उन्होंने अपनी हड़ताल राजस्थान उच्च न्यायालय के एक फैसले को ध्यान में रखते हुए समाप्त कर दी। जार्ड के अध्यक्ष मनोहर सियोल ने बताया कि हड़ताल समाप्त करने का निर्णय उच्च न्यायालय के फैसले एवं जनहित को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

# पूर्ववर्ती सरकारों के समय योग्यता से नहीं, पहुंच और रिश्वत से नौकरी मिलती थी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों पर आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में नौकरी योग्यता से नहीं बल्कि ऊंची पहुंच और रिश्वत से ही मिलती थी, लेकिन 2017 के बाद से चयन प्रक्रिया को भेदभाव मुक्त बना दिया गया है ।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1,526 ग्राम पंचायत अधिकारियों, 360 ग्राम विकास अधिकारिया (समाज कल्याण) और 64 समाज कल्याण पर्यवेक्षकों समेत कुल 1,950 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा, ''आप में से कुछ अभ्यर्थियों ने 2017 के पहले भी आवेदन किया होगा। सक्षम व समर्थ होने के बावजूद सिर्फ इसलिए चयन नहीं हुआ होगा, क्योंकि आपके पास पहुंच और अभिभावक के पास इतना पैसा नहीं था कि नियुक्ति करा सकें। सब कुछ होने के बावजूद आपको चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता था।'' उन्होंने कहा कि लेकिन पिछले सात-साढ़े सात वर्ष में चयन प्रक्रिया में किसी के साथ भेदभाव नहीं हुआ। योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''अगर अच्छे, सक्षम और योग्य अभ्यर्थियों का चयन नहीं होगा तो सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए जिस तंत्र को कार्य करना है, वह स्वयं लकवाग्रस्त हो जाएगा। ऐसी स्थिति पैदा न हो, इसके लिए 2017 में ही तय किया गया कि जितने भी आयोग तथा बोर्ड हैं, वे निष्पक्षता तथा पारदर्शी तरीके से आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए भर्ती प्रक्रिया संपन्न करें।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार में सरकारी, निजी क्षेत्र और संविदा के आधार पर नियुक्तियां ईमानदारी से बढ़ीं तो उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में तेजी से दौड़ता दिखाई दे रहा है।'' मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि नवचयनित अभ्यर्थियों को जितनी निष्पक्षता और पारदर्शिता से नियुक्ति मिली है, पूरा कार्यकाल उसी निष्पक्षता और पारदर्शी तरीके से बढ़ता जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसा होने से उत्तर प्रदेश भारत की नंबर एक अर्थव्यवस्था और भारत 2047 में विकसित तथा आत्मनिर्भर बनेगा।

## झारखंड चुनावः मुख्यमंत्री सोरेन, भाजपा के अमर बाउरी और अन्य उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए

**रांची/भाषा।** झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री व झामुमो के नेता हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष व भाजपा नेता अमर कुमार बाउरी और अन्य उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। मुख्यमंत्री ने बरहेट निर्वाचन क्षेत्र जबकि उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन ने गांडेय विधानसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल किए। हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू, फूलो-झानो, चांद-भैरव की क्रांतिकारी भूमि बरहेट विधानसभा से नामांकन पत्र दाखिल करने का परम सौभाग्य मिला।

झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि वह इन बहादुर शहीदों और क्रांतिकारियों के सपनों का झारखंड बनाएंगे। सोरेन ने दावा किया कि वह झारखंड विरोधी ताकतों और षड्यंत्रकारियों के सामने कभी नहीं झुके हैं और न ही झारखंड को कभी झुकने देंगे। बरहेट झामुमो के गढ़ माने जाने वाले संथाल परगना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। भाजपा विधायक व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल किया, जो अजा उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। गठबंधन सरकार में कांग्रेस के कोटे के चार मंत्रियों रामेश्वर उरांव, इरफान अंसारी, दीपिका पांडे सिंह और बन्ना गुप्ता समेत कई उम्मीदवारों ने अपने-अपने क्षेत्र में नामांकन पत्र दाखिल किए। झामुमो नेताओं के अलावा भाजपा और कांग्रेस के 50 से अधिक नेताओं ने विभिन्न विधानसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल किए। पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन ने घाटशिला सीट जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा ने पोटका विस क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल किए।

## दिवाली और छठ पूजा के लिए 7,000 विशेष ट्रेन चलाएगा रेलवेः मंत्री

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय रेलवे इस साल दिवाली और छठ पूजा के लिए 7,000 विशेष ट्रेन चलाएगा, जिससे प्रतिदिन दो लाख अतिरिक्त यात्रियों को सुविधा मिलेगी। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह जानकारी दी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, पिछले साल दिवाली और छठ पूजा के दौरान त्योहारी भीड़ को देखते हुए 4,500 विशेष ट्रेन चलाई गई थीं। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंत्रालय ने इस साल सेवाओं को बढ़ाने का फैसला किया है। उत्तर रेलवे (एनआर) इस अवधि के दौरान बड़ी संख्या में ट्रेन चलाएगा क्योंकि बड़ी संख्या में यात्री देश के पूर्वी भागों में आवाजाही करते हैं। एनआर ने हाल ही में एक प्रेस बयान में कहा कि वह लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचने में मदद करने के लिए विशेष ट्रेन के लगभग 3,050 फेरे संचालित करेगा। इसमें कहा है, ''2023 में रेलवे ने विशेष त्योहार ट्रेन चलाईं, जिसमें उत्तर रेलवे ने विशेष ट्रेन के 1,082 फेरे संचालित किये।

## इलाज न मिलने से बच्ची की मौत, परिजन का आरोप- चिकित्सक क्रिकेट खेलते रहे

**बदायूं/भाषा।** उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में बुधवार को राजकीय मेडिकल कालेज में कथित रूप से इलाज न मिलने के कारण बुखार से पीड़ित पांच वर्षीय एक बच्ची की मौत हो गई और परिजन का आरोप है कि चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी इलाज करने के बजाय क्रिकेट खेलने में मसरूफ रहे। इस घटना के बाद मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि जिले के मूसाझाग थाना क्षेत्र के थलिया नगला के निवासी नाजिम बुखार की शिकायत होने पर अपनी बेटी सोफिया को बुधवार दोपहर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे थे। प्राचार्य ने कहा, ''नाजिम ने आरोप लगाया कि मेडिकल कॉलेज में बाल रोग विशेषज्ञ मौजूद नहीं था। बाद में स्वास्थ्यकर्मियों ने बच्ची को इलाज के लिए अलग-अलग कमरों में भेजा लेकिन वहां कोई भी चिकित्सक या कर्मचारी मौजूद नहीं था। इसी दौरान बच्ची की मौत हो गयी।'' नाजिम ने दावा किया कि जब उन्होंने मेडिकल कॉलेज के बाहर आकर देखा तो चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी क्रिकेट खेल रहे थे। आरोप है कि काफी मिन्नत करने और गिड़गिड़ाने के बावजूद किसी भी चिकित्सक या स्वास्थ्यकर्मी ने बच्ची का इलाज नहीं किया और लगभग तीन घंटे तक तड़पने के बाद सोफिया ने अपनी मां की गोद में ही दम तोड़ दिया। डॉ. कुमार ने बताया कि यह बहुत दुखद घटना है और मामले की जांच के लिए तीन चिकित्सकों की एक समिति गठित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा इलाज न करने के बजाय क्रिकेट मैच खेलने के आरोप पर उन्होंने कहा कि मैच बाह्य रोगी विभाग के चिकित्सक नहीं खेल रहे थे। संभवत: जिन चिकित्सकों का अवकाश था वे क्रिकेट खेल रहे होंगे।

## हेमंत सोरेन सरकार चक्रवाती तूफान 'दाना' से भी ज्यादा घातक : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रांची/भाषा।** केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को झारखंड में झामुमो नीत गठबंधन सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह ''भीषण चक्रवाती तूफान 'दाना' से भी ज्यादा घातक है।'' उन्होंने आगाह किया कि अगर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार फिर से सत्ता में आई तो यह राज्य में तबाही मचा देगी।

राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधानसभा चुनाव प्रभारी ने झामुमो सरकार के पांच साल के शासन के दौरान ''भ्रष्टाचार, विनाश और लूट'' के लिए गठबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने पहले ही झारखंड को काफी नुकसान पहुंचाया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने रांची में एक रैली में कहा, ''हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार 'दाना' से भी ज्यादा घातक है। हालांकि भीषण चक्रवाती तूफान दो दिन बाद गायब हो जाएगा, लेकिन हेमंत सोरेन सरकार अगर दोबारा सत्ता में आई तो तबाही मचाएगी।''

उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है। झारखंड में दो चरणों में विधानसभा चुनाव 13 नवंबर और 20 नवंबर को होने वाले हैं और मतगणना 23 नवंबर को होगी।

## वायनाड से प्रियंका के नामांकन को भाजपा ने वंशवादी राजनीति की जीत, योग्यता की हार बताया

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को गांधी परिवार पर तीखा हमला करते हुए वायनाड से उपचुनाव के लिए प्रियंका गांधी वाद्रा के नामांकन करने को वंशवादी राजनीति की जीत और योग्यता की हार क़रार दिया।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने प्रियंका गांधी के चुनावी हलफनामे में संपत्ति की घोषणा में विसंगतियों का दावा किया। साथ ही उन्होंने गांधी परिवार पर आरोप लगाया कि उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय के अंदर नामांकन दाखिल करने के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का अपमान किया। उन्होंने केरल की वायनाड सीट से प्रियंका गांधी को उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, यह गांधी परिवार के भ्रष्टाचार और वंशवादी राजनीति की जीत एवं प्रतिभा की हार है। भाटिया ने दावा किया कि प्रियंका गांधी वाद्रा ने अपने चुनावी हलफनामे में जो संपत्ति घोषित की है, वह उनकी और उनके पति रॉबर्ट वाद्रा की संपत्ति से बहुत कम है। उन्होंने कहा, चुनावी हलफनामे में घोषित रॉबर्ट वाद्रा की संपत्ति कम है किन्तु आयकर विभाग द्वारा उन पर लगाए गए आयकर की राशि कहीं ज्यादा है। आयकर विभाग ने कुल 75 करोड़ रुपए की (कर) मांग की है।''

# ओडिशा के करीब पहुंचा चक्रवाती तूफान 'दाना', तटीय इलाकों में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भुवनेश्वर/भाषा।** भीषण चक्रवाती तूफान 'दाना' बृहस्पतिवार दोपहर ओडिशा तट के नजदीक पहुंच गया तथा इसके प्रभाव के चलते राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश होने के साथ ही तेज हवाएं चल रही हैं वहीं समुद्र भी अशांत है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

राज्य सरकार ने तटीय जिलों में लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के प्रयास भी तेज कर दिये हैं। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने एक समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि प्राकृतिक आपदा से एक भी व्यक्ति हताहत नहीं हो।

मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवात के शुक्रवार तड़के ओडिशा के भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान और धामरा बंदरगाह के बीच पहुंचने का अनुमान है और हवा की गति 120 किलोमीटर प्रति घंटा तक तक रह सकती है। आईएमडी ने नवीनतम बुलेटिन में कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान 'दाना' छह घंटे के दौरान 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ा है और यह पारादीप (ओडिशा) से 210 किलोमीटर दक्षिणपूर्व, धामरा (ओडिशा) से 240 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल) से 310 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। बुलेटिन में बताया, ''चक्रवाती तूफान 'दाना' के उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने तथा 24 अक्टूबर की मध्य रात्रि से 25 अक्टूबर की सुबह तक पुरी और सागर द्वीप के बीच उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तट को पार करने का अनुमान है और इस दौरान हवा की रफ्तार 100-110 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है जो बढ़कर 120 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकती है।'' बालासोर, भद्रक, भितरकनिका और पुरी के कुछ इलाकों से पेड़ उखड़ने की खबरें मिली हैं, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। माझी ने बताया कि करीब तीन लाख लोगों को विभिन्न चक्रवात आश्रय स्थलों में पहुंचाया गया है और यह अभियान जारी है। अब तक कुल 7,285 चक्रवात आश्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं और 91 चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि लोगों को स्थानांतरित करने और अवरुद्ध सड़कों को साफ करने एनडीआरएफ के 19 दल, ओडीआरएएफ के 51 दल और अग्निशमन सेवा कर्मियों को भी लगाया है।

## बिहारः मुख्यमंत्री ने 7,160 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को पंचायती राज विभाग की 7160 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया, उनमें राज्य के विभिन्न प्रखंडों के लिए 2615 पंचायत सरकार भवन और राज्य पंचायत संसाधन केंद्र (सारण जिले के सोनपुर) शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक आवास एक अणे मार्ग पर आयोजित समारोह में 13 जिला पंचायत संसाधन केंद्र, 65 पंचायत सरकार भवन, ई-ग्राम कचहरी कोर्ट प्रबंधन प्रणाली और कई जिला परिषदों के पोर्टल का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, बहुत खुशी की बात है कि आज 2615 पंचायत सरकार भवनों का शिलान्यास किया गया है। हमारा शुरू से ही 'पंचायत सरकार भवन' बनाने पर जोर है।'' उन्होंने कहा, ''हमारा विचार है कि पंचायती राज संस्थाओं में वैसी व्यवस्था हो जो राज्य सरकार की होती है, इसलिए हमने इन भवनों को पंचायत भवन न कहकर 'पंचायत सरकार भवन' कहा है।'' उन्होंने कहा, ''हमने प्रत्येक ग्राम पंचायत में 'पंचायत सरकार भवन' बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि शुरू में 330 'पंचायत सरकार भवन' बनाये गये।

## तेजस्वी अगर शराबबंदी के खिलाफ हैं तो उन्हें चुनावों में नुकसान के लिए तैयार रहना चाहिए : जद (यू)

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** बिहार में शराबबंदी को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधे जाने के बाद जनता दल (यूनाईटेड) ने पलटवार किया और कहा कि राज्य की तस्वीर बदलने वाली इस नीति के खिलाफ बोलना नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की मजबूरी है क्योंकि उन्हें शराब बनाने वाली कंपनियों से चंदा लेना होता है।

जद (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने 'भाषा' से बातचीत में यह भी कहा कि तेजस्वी यादव अगर शराबबंदी के खिलाफ हैं तो उन्हें आगामी चुनावों में होने वाले नुकसान को लेकर तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, ''शराबबंदी के खिलाफ तेजस्वी यादव का जहर उगलता अस्वाभाविक नहीं है। जिन शराब बनाने वाली कंपनियों से वह चंदा लेते हैं, उनकी खुशी के लिए उन्हें कुछ तो बोलना ही है।'' प्रसाद ने दावा किया कि शराबबंदी ने न सिर्फ बिहार को बदला है बल्कि यहां के गांवों की तस्वीर भी बदल डाली है। उन्होंने कहा, ''महिलाओं के उत्पीड़न की घटनाओं में कमी आई है। शराब के सेवन से होने वाली बीमारियों के आंकड़ों में भी कमी आई है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है। कानून व्यवस्था के आंकड़े बेहतर हुए हैं। इसके बावजूद अगर तेजस्वी शराबबंदी के खिलाफ हैं तो नि:संदेह, उन्हें आगामी चुनाव में होने वाले नुकसान के लिए तैयार रहना चाहिए।''

## राष्ट्रमंडल खेल 2002 के स्वर्ण ने मुझे प्रेरित किया था, हॉकी का हटना बड़ा झटकाः रानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** मैनचेस्टर राष्ट्रमंडल खेल 2002 में भारतीय महिला हॉकी टीम को मिले स्वर्ण पदक को अपने लिए प्रेरणा बताते हुए पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने कहा कि ग्लासगो में 2026 में होने वाले खेलों से हॉकी को हटाना भारत के लिए बड़ा झटका है ।

लागत में कटौती के लिए ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों से हॉकी, निशानेबाजी और कुश्ती समेत नौ खेलों को हटा दिया गया है । सोलह वर्ष के सुनहरे कैरियर पर आज यहां भारत और जर्मनी की पुरुष टीमों के बीच मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर दूसरे टेस्ट के बाद विराम लगाने के बाद रानी ने कहा ,''राष्ट्रमंडल खेलों से हॉकी को हटाना बहुत बड़ा झटका है। बहुत दुखदायक खबर है। राष्ट्रमंडल खेल भारत का बहुत फेवरिट रहता है ।'' उन्होंने कहा,''मुझे मैनचेस्टर राष्ट्रमंडल खेल 2002 में मिले स्वर्ण ने काफी प्रेरित किया था। आज भी कई उदीयमान खिलाड़ियों के लिए यह प्रेरणास्रोत हो सकते थे । हमने सोचा नहीं था कि हॉकी को इससे हटाया जायेगा । सिर्फ हॉकी ही नहीं बाकी सभी खेलों के लिए भी यह बुरी खबर है जिन्हें हटाया गया है।''

# भारतीय हॉकी टीम ने जर्मनी को दूसरे टेस्ट में हराया, लेकिन श्रृंखला शूटआउट में गंवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कप्तान हरमनप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह के दो दो गोल की मदद से भारत ने दूसरे हॉकी टेस्ट में विश्व चैम्पियन जर्मनी को 5 . 3 से हराया लेकिन दो मैचों की श्रृंखला शूटआउट में 1 . 3 से गंवा दी ।

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम पर 11 साल बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी के साथ भारत को बुधवार को पहले टेस्ट में 0 . 2 से पराजय झेलनी पड़ी थी । दूसरे टेस्ट में जर्मनी के लिए एलियान माजकूर ( सातवां और 57वां मिनट ) ने दो और हेनरिक मर्टजेंस ने 60वें मिनट में एक गोल किया । भारत ने दूसरे हाफ में सुखजीत सिंह ( 34वां और 48वां मिनट) , कप्तान हरमनप्रीत सिंह (42वां और 43वां ) और अभिषेक (45वां मिनट ) के गोलों के दम पर जीत दर्ज की । शूटआउट में भारत को 1 . 3 से पराजय का सामना करना पड़ा । शूटआउट में हरमनप्रीत, अभिषेक, मोहम्मद राहील के निशाने चूके जबकि भारतीय टीम में पदार्पण करने वाले आदित्य अर्जुन लालगे ने गोल दागा ।

भारत के गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक ने दो गोल बचाये लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा सके । भारत ने आक्रामक शुरूआत करके शुरूआती मिनटों में कई मौके बनाये लेकिन जर्मन डिफेंस को नहीं भेद सके । जर्मनी ने सातवें मिनट में एलियान के गोल के दम पर बढत बना ली जिन्होंने दाहिने कॉर्नर से रिवर्स शॉट पर गोल दागा । दो मिनट बाद आदित्य गोल करने के करीब पहुंचे लेकिन जरमनप्रीत सिंह से मिले पास पर उनका शॉट जर्मनी के गोलकीपर जोशुआ एन ओंयेकवू ने बचा लिया जिन्होंने कल भारत के आठ पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक भी बचाया था । भारत को अगले मिनट पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन उस पर वैरिएशन नाकाम रहा ।

## रणजी ट्रॉफी में लाल गेंद से खेलने से मिली मदद : वॉशिंगटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पुणे/भाषा।** हरफनमौला वॉशिंगटन सुंदर ने बृहस्पतिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए कहा कि रणजी ट्रॉफी में तमिलनाडु के लिए खेलने से उन्हें काफी मदद मिली। इस महीने की शुरुआत में उन्होंने अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 152 रन की पारी खेली और छह विकेट झटके। इस प्रदर्शन को देखकर मुख्य कोच गौतम गंभीर ने दूसरे टेस्ट के लिए भारत की अंतिम एकादश में इस ऑलराउंडर को शामिल किया।

वॉशिंगटन ने बृहस्पतिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 59 रन देकर सात विकेट चटकाकर इस फैसले को सही साबित किया जबकि यह मार्च 2021 के बाद उनका पहला टेस्ट है। तमिलनाडु के इस खिलाड़ी ने घरेलू स्तर पर लाल गेंद से मैच खेलने के महत्व के बारे में बात करते हुए दिन के खेल के बाद हुई प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से कहा, ''मेरे लिए तमिलनाडु-दिल्ली मैच खेलना एक शानदार मौका था क्योंकि हर बार लाल गेंद से खेलना और लाल गेंद के क्रिकेट में बल्ले और गेंद दोनों से लय बनाए रखना अच्छा होता है। साथ ही निरंतरता बनाए रखना भी अहम होता है। '' इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि रणजी मैच में बहुत सारे ओवर गेंदबाजी करना उनके लिए कितना मददगार रहा। उन्होंने कहा, ''इस चीज से भी मदद मिली कि मुझे उस मैच में बहुत सारे ओवर गेंदबाजी करने का मौका मिला। मैं उसके लिए आभारी हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं इस दिन को कभी भूल पाऊंगा, यह बहुत खास था। ''

वाशिंगटन ने कहा कि उनका इरादा ऑलराउंडर की किसी खास शैली के रूप में ढले बिना अपने कौशल में सुधार करना है। उन्होंने कहा, ''किसी धारणा के बारे में बहुत अधिक नहीं सोचना चाहिए, मुझे बस इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि मैं एक खिलाड़ी के रूप में क्या कर सकता हूं। एक क्रिकेटर के रूप में बेहतर होता रहूं। '' वॉशिंगटन ने अपने पदार्पण के बाद से आठ वर्षों में 31 प्रथम श्रेणी मैचों में 65 विकेट लिए हैं।

## सुविचार

**मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य ईश्वर को प्राप्त करने की इच्छा शक्ति होनी चाहिए। कामिनी-कंचन ईश्वर प्राप्ति के मार्ग में बाधा पैदा करने जैसा है।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# आधी जानकारी, पूरा झूठ

जब से जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों की विदाई हुई है, पीडीपी प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की ओर से ऐसे बयानों का सिलसिला तेज हो गया है, जो हकीकत से कोसों दूर हैं। वरिष्ठ नेताओं से तो यह उम्मीद की जाती है कि वे जो बयान दें, उससे जुड़े तथ्यों के बारे में पहले खुद जानें। आधी–अधूरी जानकारी झूठ से भी ज्यादा खतरनाक हो सकती है। महबूबा मुफ्ती का यह कहना कि 'जम्मू–कश्मीर के लोग दोनों देशों (भारत और पाकिस्तान) के बीच शत्रुता में फंस गए हैं', भी ऐसी ही श्रेणी का बयान है। जम्मू–कश्मीर के लोग न तो 'फंस गए हैं' और न ही यह 'दो देशों' के बीच शत्रुता का मामला है। इस केंद्र शासित प्रदेश ने आतंकवाद के कारण बहुत कुछ खोया है। इसमें कहीं भी 'दो देशों' की शत्रुता नहीं थी, बल्कि एक ही देश ऐसा कर रहा था और वह आज भी कर रहा है, जिसका नाम पाकिस्तान है। आखिर, महबूबा मुफ्ती यह कहने से क्यों हिचक रही हैं? भारत ने कहां शत्रुता कर रखी है? यह पाकिस्तान ही है, जिसने शत्रुता को पैदा किया और उसे आज तक जिंदा रखा है। उसका तो जन्म ही भारत से शत्रुता के आधार पर हुआ था। यह पड़ोसी देश जब अपने घुटनों पर रेंग ही रहा था, तब जम्मू–कश्मीर में कबायली लश्कर किसने भेजे थे? वहां किसने खून–खराबा कराया था? पाकिस्तान ने भारत को हमेशा शत्रु ही समझा है। यह और बात है कि हमारी हर सरकार ने उससे संबंध सुधारने के प्रयास किए थे। बदले में उन्हें क्या मिला? युद्ध और आतंकवाद!

महबूबा मुफ्ती ने जम्मू–कश्मीर के हालात और सियासत को बहुत करीब से देखा है। क्या उन्हें मालूम नहीं कि पाकिस्तान ने घाटी के अमनचैन को तबाह करने में कोई कसर नहीं छोड़ी? जहां तक जम्मू–कश्मीर के लोगों का दोनों देशों के बीच शत्रुता में 'फंस जाने' का आरोप है तो आज पांचवीं कक्षा का बच्चा भी यह बात जानता है कि केंद्र शासित प्रदेश में तिरंगा लहरा रहा है, इसी वजह से स्थानीय लोग बहुत सुरक्षित हैं। एलओसी से चंद कदम आगे जाकर (पीओके) देखिए, वहां पाकिस्तान के परचम तले क्या–क्या हो रहा है? वह इलाका आतंकवाद का गढ़ बन चुका है। जो लोग 'उधर' रह गए या किसी कारणवश 'उधर' चले गए, वे आज आटे के लिए लाइनों में लगे हैं। पाकिस्तानी फौज ने वहां अपने कर्नलों–जनरलों के लिए प्लॉट काट दिए। वहां आम नागरिक कभी आटे के लिए दर–दर की ठोकरें खा रहा है, कभी बिजली के बिल जमा कराने के लिए दफ्तरों में भटक रहा है। जिसके घर में एक बल्ब, एक पंखा है, उसे 50 हजार से लेकर एक लाख रुपए तक के बिल भेजे जा रहे हैं। सुविधाओं के नाम पर हालत यह है कि अक्टूबर 2005 के भूकंप में जो स्कूल, अस्पताल आदि क्षतिग्रस्त हुए थे, उनकी आज तक सुध नहीं ली गई। वहां पाकिस्तानी फौज के अधिकारी बड़े–बड़े बंगलों में ऐश कर रहे हैं, दोनों हाथों से दौलत लूट रहे हैं, जबकि आम नागरिक खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। महबूबा मुफ्ती के इस कथन में भी तथ्यों का अभाव है कि 'दोनों देश एक–दूसरे से लड़ रहे हैं।' यह लड़ाई किसने शुरू की थी? भारत 'लड़' नहीं रहा, बल्कि आत्मरक्षा में प्रतिक्रिया दे रहा है। अगर भारत ने 'लड़ाई' करने की ही ठानी होती तो आज कराची से लेकर लाहौर, इस्लामाबाद और पूरा पीओके हमारे पास होता; पाकिस्तान श्रीनगर नहीं मांग रहा होता, बल्कि क्वेटा और पेशावर बचाने के लिए फिक्रमंद रहता। महबूबा मुफ्ती के इस बयान पर क्या ही कहा जाए कि 'जब तक दोनों देश एकसाथ नहीं बैठेंगे, सौहार्दपूर्ण तरीके से बात नहीं करेंगे और (पूर्व प्रधानमंत्री) वाजपेयी की तरह सुलह का रास्ता नहीं अपनाएंगे, तब तक जम्मू–कश्मीर और देश के बाकी लोगों को (आतंकवादी हमलों की) ऐसी घटनाएं देखने को मिलती रहेंगी'! वाजपेयीजी तो बस लेकर लाहौर गए थे, जिसके कुछ ही महीने बाद पाकिस्तान का एक और धोखा कारगिल युद्ध के रूप में सामने आया था। अतीत के ये सभी अनुभव साफ कह रहे हैं कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद फैलाएगा, उसके साथ किसी भी तरह की बातचीत से कोई लाभ नहीं होने वाला। नेताओं को चाहिए कि वे इस तथ्य से भलीभांति परिचित हों। सिर्फ प्रचार पाने के लिए ऐसा बयान नहीं देना चाहिए, जो लोगों को गुमराह करे।

## ट्वीटर टॉक

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के स्थापना दिवस पर सभी जवानों और अधिकारियों को शुभकामनाएं। छह दशकों में इस सशस्त्र बल ने देश की सीमा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दुर्गम परिस्थितियों में कर्तव्य निर्वहन से देश का सामरिक सशक्तिकरण किया है।

**–ओम बिरला**

रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी श्री सुखवंत सिंह जी के समर्थन में आयोजित नामांकन रैली एवं जनसभा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी और केन्द्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव जी के साथ शामिल हुआ।

**–मदन राठौड़**

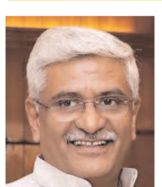

आज नई दिल्ली में स्वामी सदानंद सरस्वती वेदांती जी महाराज जन्मशताब्दी संपूर्ति समारोह के अन्तर्गत श्री विद्या कोटि कुम कुमार्चन महायज्ञ में श्रद्धाभावना लिए सहभागी हुआ। साधु–संतों का उदात्त सानिध्य एवं आशीष प्राप्ति का पुण्य अर्जित किया।

**–गजेन्द्र सिंह शेखावत**

## प्रेरक प्रसंग

# गुणों की सुगंध

संत सुखानंद जी अपने गुरुकुल में शिष्यों को उपदेश दे रहे थे कि आत्म–विकास करो। आत्म प्रचार कभी मत करो। इससे दूर रहो। अपने विचारों के ताने–बाने से अपना चरित्र विकसित होने दो। इतना सुनकर कुछ शिष्य संशय में थे। संत सुखानंद जी ने उनकी मानसिकता भांप ली। उन्होंने बाहर उपवन की ओर संकेत किया। सभी शिष्य बाहर देखने लगे। 'देखो उन फूलों पर कितनी दूर से तितलियां आकर बैठ रही हैं। यह फूल इनको कब बताने गये कि हमारे पास सुगंध और पराग है।' 'परन्तु गुरुजी यह तो फूल का गुण है। इसके प्रचार की कोई आवश्यकता नहीं होती।' एक शिष्य ने कहा। 'तो तुम भी ऐसे बनो। खुद –ब–खुद लोग गुण भांपकर, तुम पर रीझकर तुमसे मिलने आयें।' प्रत्येक शिष्य को यह गूढ़ अर्थ समझ में आ गया।

## सामयिक

# मणिपुर की जातीय हिंसा, अधिकारियों की अग्नि परीक्षा

प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा 3 मई, 2023 को भड़क उठी। इस संघर्ष में 200 से अधिक मौतें हुईं और 60,000 लोग विस्थापित हुए। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष की जड़ें मणिपुर के जातीय और ऐतिहासिक संदर्भ में गहराई से जुड़ी हुई हैं। मुख्य रूप से घाटी क्षेत्रों में रहने वाले मेइतेई और पहाड़ी जिलों में रहने वाले कुकी समुदाय के बीच लंबे समय से सामाजिक–राजनीतिक और भूमि सम्बंधी विवाद हैं। राजनीतिक सत्ता, भूमि और सरकारी संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा ने इन समुदायों के बीच तनाव बढ़ा दिया है। आरक्षण, भूमि स्वामित्व और स्वायत्तता से सम्बंधित नीतियाँ इस टकराव के केंद्र में हैं। आदिवासी और गैर–आदिवासी समूहों को वर्गीकृत करने की ब्रिटिश काल की नीतियों ने विभाजन पैदा किया जो आज भी गूंजता है।

कानून–व्यवस्था की स्थिति तेजी से बिगड़ गई, सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया और हिंसक घटनाएँ सामने आईं। सांप्रदायिक विभाजन ने अखिल भारतीय सेवाओं (एआईएस) अधिकारियों के कामकाज को गहराई से प्रभावित किया, जिससे उनके बीच भौगोलिक और मनोवैज्ञानिक बाधाएँ पैदा हुईं, संघर्ष के कारण पहाड़ी और घाटी जिले दुर्गम हो गए। वर्तमान स्थिति सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा परिकल्पित स्टील फ्रेम के लिए ख़तरा है, जिसमें अखिल भारतीय सेवाएँ भारत की प्रशासनिक मशीनरी की रीढ़ हैं। हिंसा और जातीय विभाजन के कारण एस्प्रिट डे कॉर्प्स (अधिकारियों के बीच एकता और आपसी सम्मान) तनाव में है, जिससे अधिकारियों के बीच सहयोग और विश्वास कमजोर हो रहा है। संघर्ष ने एआईएस अधिकारियों के बीच पारस्परिक सम्बंधों पर गहरा प्रभाव डाला है, सामाजिक आदान–प्रदान और सहयोग दुर्लभ हो गए हैं। नफ़रत फैलाने वाले भाषण, प्रचार और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से सार्वजनिक चर्चा के ध्रुवीकरण ने रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है, जिससे विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के अधिकारियों के लिए एक साथ काम करना मुश्किल हो गया है।

मनोवैज्ञानिक युद्ध, दुष्प्रचार और आर्थिक व्यवधान जैसे गैर–गतिशील तत्वों ने मणिपुर में तनाव को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाइब्रिड युद्ध के हिस्से के रूप में इन युक्तियों ने जनता के मनोबल और शासन में विश्वास को कम कर दिया है, जिससे कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए ज़िम्मेदार आईएएस और अन्य सेवाओं के लिए एक महत्त्वपूर्ण चुनौती पैदा हो गई है। विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के सिविल सेवकों को अपनी जातीय पहचान के साथ अपने पेशेवर कर्तव्यों को संतुलित करने में दुविधाओं का सामना करना पड़ता है। सामुदायिक अपेक्षाओं और वफादारी का दबाव बनाम प्रशासनिक तटस्थता बनाए रखने की आवश्यकता एक महत्त्वपूर्ण नैतिक चुनौती प्रस्तुत करती है। कई अधिकारियों को उनकी जातीयता के कारण व्यक्तिगत सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ता है। सरकारी अधिकारियों को भीड़ द्वारा निशाना बनाए जाने और सुरक्षा की आवश्यकता की रिपोर्टें उनके सामने आने वाले गंभीर खतरों को रेखांकित करती हैं। इससे मनोवैज्ञानिक तनाव पैदा हो गया है और उनके कर्तव्यों को पूरा करने की क्षमता में बाधा उत्पन्न हुई है।

दुष्प्रचार, घृणास्पद भाषण और भड़काऊ सामग्री फैलाने में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की भूमिका ने संघर्ष को बढ़ा दिया है। हिंसा और भड़काऊ भाषणों के वीडियो ने समुदायों को और अधिक ध्रुवीकृत कर दिया है, जिससे नागरिक अधिकारियों के लिए कहानी को प्रबंधित करना मुश्किल हो गया है। चुनौतियों के बावजूद, मणिपुर संघर्ष को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) जैसे संस्थानों द्वारा अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण के अवसर के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले के आधार पर संघर्ष प्रबंधन, सुलह और प्रशासनिक तटस्थता पर प्रशिक्षण मॉड्यूल और क्षमता–निर्माण कार्यशालाएँ विकसित की जा सकती हैं। इस तरह के केस अध्ययन लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर जातीय केंद्रित संघर्षों से निपटने में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे, जो संघर्ष क्षेत्रों में शासन की शैक्षणिक और व्यावहारिक समझ में योगदान देंगे।

वेबर द्वारा प्रतिपादित नौकरशाही की अवैयक्तिक प्रकृति का लाभ संघर्षग्रस्त राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किया जा सकता है। बैचमेट्स के बीच पेशेवर टीम भावना और राष्ट्रीय एकीकरण के एजेंट के रूप में एआईएस अधिकारियों की तटस्थ भूमिका संघर्षों को हल करने के लिए एक लचीला ढांचा प्रदान करती है। शांति–निर्माण प्रयासों में अधिकारियों को शामिल करने के लिए नवीन कार्मिक प्रबंधन नीतियों का कार्यान्वयन। विभिन्न जातीय समुदायों के अधिकारियों के बीच नियमित आभासी बैठकें बेहतर सम्बंधों को बढ़ावा दे सकती हैं और संघर्ष से उत्पन्न मनोवैज्ञानिक अलगाव को कम कर सकती हैं। इस तरह के उपाय मणिपुर में उभरे प्रशासनिक सिलोस को तोड़ने में मदद कर सकते हैं, सिविल सेवाओं के भीतर बेहतर सहयोग की सुविधा प्रदान कर सकते हैं और शांति प्रक्रिया में योगदान दे सकते हैं। यह संघर्ष भारत में संघीय एकता के महत्त्व को भी रेखांकित करता है। संचार चैनलों को मज़बूत करने और राज्य और केंद्र सरकारों के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने से भविष्य के संकटों को कम करने में मदद मिल सकती है। मणिपुर में जातीय हिंसा ने गहरे जड़ें जमा चुके सांप्रदायिक संघर्षों से निपटने में भारत की प्रशासनिक प्रणाली की कमजोरी को उजागर कर दिया है। हालाँकि यह स्थिति अखिल भारतीय सेवाओं की अखंडता के लिए गंभीर चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है, यह संघर्ष–ग्रस्त क्षेत्रों में शासन के दृष्टिकोण पर पुनर्विचार और सुधार करने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करती है। क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नवीन नीति उपायों पर ध्यान केंद्रित करके, आईएएस और अन्य सेवाएँ संकट को एक सीखने के अनुभव में बदल सकती हैं जो भविष्य के संघर्षों में स्टील फ्रेम के लचीलेपन को मज़बूत करती है।

## ज्ञान विज्ञान

# तुर्की के गांव में उग रहे योग मुद्रा वाले पुष्प

तुर्की के बताए जा रहे एक फूल की तस्वीर लोगों का ध्यान खींच रही हैं। ये तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब शेयर हो रही है, जिसे योगी फ्लावर कहा जा रहा है। दरअसल इस फूल की बनावट ऐसी है, जैसे कोई योग की मुद्रा यानी पद्मासन में बैठा हो। ऐसे में इस तस्वीर को शेयर करते हुए कहा जा रहा है कि ये दुर्लभ फूल केवल हलफेती गांव में होते हैं, जो कि तुर्की के दक्षिण–पूर्वी सान्ल इरफा प्रांत के पास है। इस फूल के बारे में दावा किया जा रहा है कि हलफेती गांव की मिट्टी के अनूठे गुणों और एंथोसायनिन पिगमेंट की वजह से ये फूल गर्मियों में काले और दूसरे मौसमों में गहरे लाल दिखाई देते हैं। सोशल मीडिया यूजर्स दावा कर रहे हैं कि तुर्की दुनिया में एकमात्र ऐसी जगह है, जहां योगी फूल उगते हैं। हालांकि इन दावों में पूरी तरह से सच्चाई नहीं है।

सोशल यूजर्स ने तरह तरह के दावे इस फूल के बारे में किए हैं। एक दावा कहता है कि ये यूफ्रेट्स के पानी से पोषित होते हैं। इस फूल को पैदा करने वाली मिट्टी के बारे में कहा गया है कि मिट्टी के गुणों की वजह से फूल रंग बदलता है। इस फूल की तस्वीर पर तमाम दावे हैं लेकिन इसका सच कुछ और ही है। नेचुरल योगी फ्लावर के बारे में किए जा रहे दावों की पड़ताल न्यूज आउटलेट 'फैक्टली' ने की है। पड़ताल में पता चला कि जो तस्वीर वायरल छवि एआई तकनीक की मदद से बनी है। तुर्की में 'योगी फ्लावर' नाम का कोई फूल उगाता ही नहीं है। रिपोर्ट में पता चला है कि ये तस्वीर यह 99.9 प्रतिशक

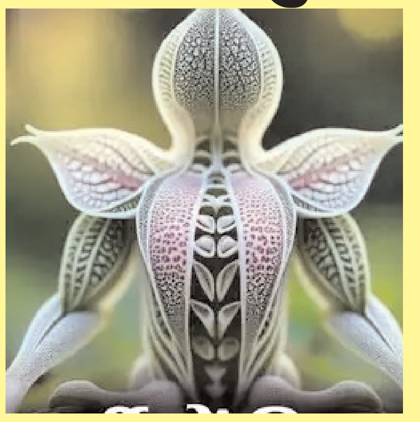

एआई–जनरेटेड हो सकती है। एक तरफ ये फोटो फेक मिली तो वहीं इस बात का भी कोई सबूत नहीं मिला जो ये पुष्टि करता हो कि तुर्की के हल्फेटी में 'योगी फ्लावर' नाम का फूल खिलता है। योगी फ्लावर के बारे में दावा तो सच नहीं है लेकिन तुर्की के हल्फेटी में खूबसूरत गुलाब जैसे फूल उगते हैं, जिनको 'कारा गुल' के नाम से जाना जाता है। ये गुलाब गहरे वाइन–लाल रंग में खिलते हैं और गर्मियों में कलियों की तरह काले दिखाई देते हैं। फैक्टली ने एक रिपोर्ट में कहा कि उन्हें विशिष्ट पीएच स्तर की आवश्यकता होती है। इससे ये गर्मियों में काले होते हैं और दूसरे मौसमों में रंग बदल देते हैं। स्थानीय लोग इन गुलाबों की खेती करते हैं और पर्यटक भी इन्हें देखने हल्फेटी पहुंचते हैं।

## नजरिया

# चीन से समझौता अहम, लेकिन भरोसे की ज्यादा अपेक्षा

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

गलवान संघर्ष के बाद भारत–चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती–सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। लेकिन इस फैसले का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, इससे दुनिया की महाशक्तियों के निरंकुशता को नियंत्रित किया जा सकेगा, ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन–रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। इन आशा एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों के बावजूद एक बड़ा प्रश्न चीन के पलटूराम नजरिये को लेकर निराश भी करता है। भारत को गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की पूरानी आदत है। उसने अनेक बार भारत के भरोसे को तोड़ा है। पूर्व के अनुभवों से ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र न हो जाये, इसके लिये भारत को फूंक–फूंक कर कदम रखने की जरूरत है।

भारत–चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बढ़ी है। इस गतिरोध के चलते

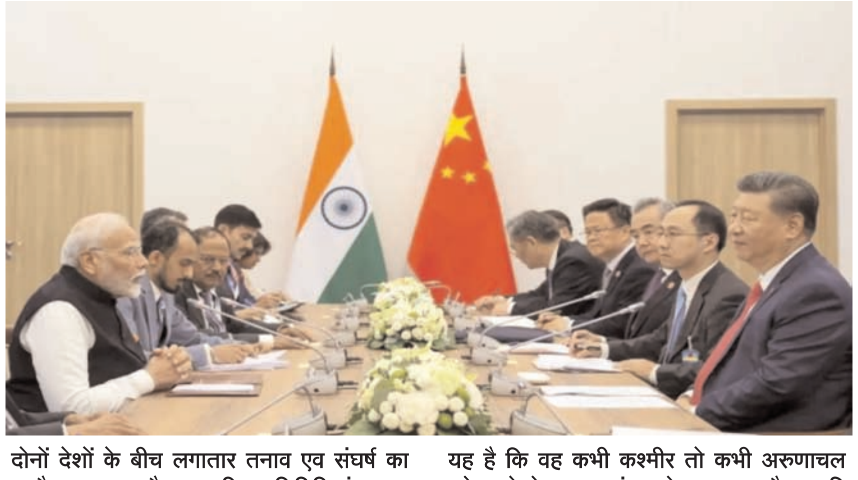

दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक–सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था। लेकिन अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के निकट आने के घटनाक्रम से एक बड़ा संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं।

द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह एक अच्छा एवं शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति की अपेक्षा करते हुए चीन से कहा है कि आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक–दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक एवं प्रासंगिक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता रहा था। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगढ़ंत दावे करता रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव करता रहा है, जो भारत के लिए खतरा हैं।

चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। इसके बावजूद भारत के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने बहुत संयम बरता, भड़काने वाली परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य से काम लिया और बातचीत के जरिये ही मामले का हल निकाला। लेकिन, चिंता कम नहीं हुई है। पिछले साढ़े चार बरसों के दौरान चीनी सेना ने बेहद दुर्गम पर्वतीय इलाकों में पक्के निर्माण कर लिए हैं। आशंका है कि चीन अपने इन सैन्य ढांचागत निर्माण को ध्वस्त कर इलाका पूरी तरह छोड़ देने के लिए तैयार होगा भी या नहीं? ऐसी स्थिति में पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में सैन्य तनाव और परस्पर अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी। भारतीय सामरिक पर्यवेक्षकों के बीच चीन के इरादों को लेकर शक बना रहेगा, क्योंकि हमारे इस पड़ोसी का भरोसा तोड़ने का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार चीन को भारत से दोस्ती का महत्व समझ आ गया है तो यह दोनों देशों के साथ समूची दुनिया के हित में है।

भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र टेबल पर बैठकर भरोसे एवं विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा करेंगे, लेकिन भारत को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन कहीं दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे न हट जाये, ऐसा पहले भी हो चुका है। भारत को चीन से संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ने के पहले इसकी पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं वह फिर से वैसी हरकत तो नहीं करेगा, जैसी डोकलाम, गलवन, देपसांग आदि में की है।

वैसे यह उम्मीद करना जल्दबाजी ही होगी कि भारत–चीन सीमा पर जमीनी हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। क्योंकि भारतीय जमीन पर चीनी सेना के अतिक्रमण की वजह से ही दोनों देशों के रिश्तों में अभूतपूर्व तनाव के कारण दूरियां काफी बढ़ गयी थी। इन दूरियों के दंश को मिटाने में समय, समझ एवं सूझबूझ की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री मोदी एक परिपक्व राजनेता के रूप में पिछले पांच बरसों से राष्ट्रपति चिनफिंग से इसलिए नहीं मिले कि चीन जब तक अपनी सेना पीछे नहीं करेगा, तब तक दोनों की मुलाकात नहीं हो सकती। कजान में हुई बातचीत में जिस तरह रिश्तों को सामान्य बनाने पर जोर दिया गया है, उसके मद्देनजर भारत का जोर इस बात पर भी रहेगा कि एलएसी के पीछे के इलाकों से दोनों देश अपनी सैन्य तैनाती पूरी तरह खत्म कर दें। दोनों देशों को एलएसी पर पूरी तरह परस्पर भरोसे का माहौल कायम करना होगा। भारत के लिए राहत की बात यह है कि देपसांग और डेमचोक पर भी सहमति बनी है। लेकिन भारतीय जनमानस के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि दोनों देशों ने सीमा पर जो 50 हजार सैनिक तैनात कर रखे हैं, उन्हें कब वापस लाया जाएगा? ताजा घटनाक्रम की सफलता एवं सार्थकता तभी संभव है जब एक दूसरे के प्रति आदर, विश्वास, भरोसा और संवेदनशीलता होगी। रूस के कजान शहर में एक अच्छी शुरुआत जरूर हुई है लेकिन आगे का रास्ता तभी खुलेगा जब कुछ हद तक चीन अपना रवैया बदलेगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

**रैली**

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के साथ, गुरुवार को रांची में भाजपा उम्मीदवार सीपी सिंह, कांके विधानसभा से जीतू चरण राम और मांडर विधानसभा से सनी टोप्पो के समर्थन में चुनावी रैली करते हुए।

## कजान में मोदी, शी की बैठक द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए अत्यधिक महत्व रखती हैः चीन

**बीजिंग/भाषा**

चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच रूस के कजान में बुधवार को हुई बैठक ''अत्यधिक महत्व'' रखती है क्योंकि वे द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए ''महत्वपूर्ण आम सहमति'' पर पहुंचे हैं।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां संवाददताओं से कहा, ''वे चीन-भारत संबंधों में सुधार और इन्हें विकसित करने पर महत्वपूर्ण आम सहमति पर पहुंचे तथा द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर विकास के पथ पर वापस लाने का मार्ग प्रशस्त किया।''

इस सवाल पर कि बीजिंग बैठक के नतीजे को कैसे देखता है, लिन ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से देखने तथा आगे बढ़ने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है।

लिन ने कहा कि चीन संचार और सहयोग बढ़ाने, पारस्परिक रणनीतिक विश्वास वृद्धि, मतभेदों को दूर करने और द्विपक्षीय संबंधों को जल्द से जल्द स्थिर विकास के पथ पर वापस लाने के लिए भी तैयार है।

कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर मिले मोदी और शी ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त एवं सैनिकों की वापसी पर सोमवार के भारत-चीन समझौते का समर्थन किया।

इसके बाद, विभिन्न द्विपक्षीय वार्ता तंत्रों को पुन: सक्रिय करने के निर्देश जारी किए गए, जो 2020 में एक घातक सैन्य झड़प से प्रभावित हुए संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों का संकेत है।

**खरीददारी**

अहमदाबाद में गुरुवार को गुरु पुष्य नक्षत्र के अवसर पर महिलाएं आभूषण की दुकान पर सोने के आभूषणों की खरीदारी करती हुई।

# अफगानिस्तान के प्रांत ने जीवित प्राणियों की तस्वीरें दिखाने पर प्रतिबंध लगाया

**इस्लामाबाद/एपी**

अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत ने तालिबान के नैतिकता कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए मीडिया में जीवित प्राणियों की तस्वीरें दिखाने पर प्रतिबंध लगा दिया है।फैसले की घोषणा हेलमंद में सूचना मंत्रालय के अधिकारियों ने की। इंसानों और जानवरों की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी पर नियंत्रण लगाने वाला यह नवीनतम प्रांत है।अगस्त में देश के नैतिकता संबंधी मंत्रालय ने सार्वजनिक परिवहन, हजामत बनाने, मीडिया और समारोहों जैसे रोजमर्रा के जीवन के पहलुओं को विनियमित करने वाले कानून प्रकाशित किए, जो अधिकारियों द्वारा इस्लामी कानून या शरिया की व्याख्या को दर्शाते हैं। अनुच्छेद 17 जीवित प्राणियों की तस्वीरों के प्रकाशन पर प्रतिबंध लगाता है।

हेलमंद के अधिकारियों ने कहा कि जीवित प्राणियों की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी तत्काल बंद कर दी जाएगी। उन्होंने कानून के क्रियान्वयन और इससे छूट के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी। पिछले हफ्ते तालिबान द्वारा संचालित मीडिया ने कानून का पालन करते हुए तखर, मैदान वरदक और कंधार प्रांतों में जीवित प्राणियों की तस्वीरें दिखाना बंद कर दिया। कुछ निजी चैनलों ने भी कानून का पालन सुनिश्चित करने के लिए जीवित प्राणियों की तस्वीरें और वीडियो दिखाना बंद कर दिया है।ईरान और सऊदी अरब सहित कोई भी मुस्लिम बहुल देश इस तरह के प्रतिबंध नहीं लगाता है। 1990 के दशक के अंत में अपने पिछले शासन के दौरान, तालिबान ने अधिकतर टेलीविजन, रेडियो और समाचार पत्रों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। बृहस्पतिवार को सूचना मंत्रालय ने घोषणा की कि उसने 400 किताबों पर प्रतिबंध लगा दिया है जो इस्लामी और अफगान मूल्यों के विपरीत हैं। प्रतिबंधित किताबों को दुकानों और प्रकाशन गृहों से एकत्र कर लिया गया है और उनके स्थान पर कुरान समेत धार्मिक ग्रंथ रख दिए गए हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता खुबैब गोफरान ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इस देश के विचार, विश्वास, एकता और संस्कृति को नष्ट करने के लिए दुश्मनों की नापाक साजिश के अनुसार लिखी गई कोई भी किताब सूचना और संस्कृति मंत्रालय द्वारा जब्त की जाएगी।''

## पाकिस्तान के ईसाई नेताओं ने जाकिर नाइक के खिलाफ कार्रवाई का आग्रह किया

पलाहौर/भाषा। पाकिस्तान के ईसाई नेताओं ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पत्र लिखकर कहा है कि ईसाई धर्म पर अनुचित टिप्पणी करने को लेकर इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

सरकार के निमंत्रण पर एक महीने की यात्रा पर पाकिस्तान पहुंचे नाइक ने कराची, इस्लामाबाद और लाहौर जैसे शहरों में ''विवादास्पद'' व्याख्यान दिए।

## खालिस्तानी हिंसक चरमपंथ को गंभीरता से लें कानून प्रवर्तन एजेंसियां : कनाडाई सांसद

ओटावा/भाषा। भारतीय मूल के एक प्रमुख कनाडाई सांसद ने कहा है कि खालिस्तानी हिंसक चरमपंथ एक कनाडाई समस्या है और देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से लेना चाहिए।

प्रतिनिधि सभा में नेपियन से सांसद चंद्र आर्य ने बुधवार को सदन को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

आर्य ने कहा, खालिस्तानी हिंसक उग्रवाद कनाडा की एक समस्या है और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा है कि राष्ट्रीय कार्य बल इसकी जांच पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि हर कोई जानता है कि चरमपंथ और आतंकवाद राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों से आग्रह करता हूं कि वे इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से लें।

आर्य ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि दो सप्ताह पहले जब वह एडमोंटन में एक हिंदू कार्यक्रम में भाग ले रहे थे, तब खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने उनके खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन किया था।

आर्य ने कहा कि वह रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) की सुरक्षा व्यवस्था की वजह से कार्यक्रम में भाग ले सके। उन्होंने कहा, कनाडा में, हमने लंबे समय से खालिस्तानी चरमपंथ की गंभीर समस्या को पहचाना और अनुभव किया है। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट कर दूं कि कनाडा की संप्रभुता का उल्लंघन और कनाडा में किसी भी रूप में विदेशी हस्तक्षेप अस्वीकार्य है।

पिछले साल सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के आरोप लगाए थे। इसके बाद भारत और कनाडा के बीच संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए थे। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को खारिज कर दिया था।

## दक्षिण चीन सागर के विवादित क्षेत्र में चीनी जहाज को पीछे हटने के लिए मजबूर किया : इंडोनेशिया

जकार्ता। इंडोनेशिया ने दावा किया है कि उसके गश्ती जहाजों ने दक्षिण चीन सागर के एक विवादित क्षेत्र में चीनी तट रक्षक बल के एक जहाज को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। इंडोनेशियाई अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इंडोनेशिया की समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि चीनी जहाज दो बार 'एमवी जियो कोरल' नामक उसके जहाज के पास पहुंचा, जिससे भूकंपीय आंकड़े एकत्रित करने के लिए किए जा रहे सर्वेक्षण में बाधा उत्पन्न हुई। यह सर्वेक्षण सरकारी ऊर्जा कंपनी पीटी पर्टामिना द्वारा दक्षिण चीन सागर के उस हिस्से में किया जा रहा है जिस पर दोनों देश अपना दावा करते हैं।

चीन के लिए 'नौ-डैश लाइन' काफी महत्वपूर्ण है, जिसका उपयोग वह दक्षिण चीन सागर के अधिकांश भाग पर अपने दावे को मोटे तौर पर दर्शाने के लिए करता है।

# पुष्पा इम्पॉसिबल में दर्शकों को कुछ बड़े आश्चर्य देखने को मिलेंगे : करूणा पांडे

**मुंबई/एजेन्सी**

सोनी सब के शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में पुष्पा की भूमिका निभा रही करूण पांडे का कहना है कि आने वाले एपिसोड में दर्शकों को कुछ बड़े आश्चर्य देखने को मिलेंगे। 'पुष्पा इम्पॉसिबल' के हाल के एपिसोड में पुष्पा, जुगल (अंशुल त्रिवेदी) के साथ अपनी पटोला प्रदर्शनी के लिए कानपुर जाती है, जहाँ उसकी मुलाकात अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी वीरेन (हेमंत खेर) से होती है। वीरेन अपने पुराने घाव को सहला रहा है और पुष्पा से बदला लेने का फैसला करता है। एक घातक योजना बनाते हुए, वीरेन पुष्पा से हमेशा के लिए छुटकारा पाने और उसकी जगह एक स्थानीय चाय बेचने वाली बसंती को रखने का फैसला करता है, जो पुष्पा की डुप्लीकेट होती है।अपनी घातक योजना को अंजाम देने के लिए वीरेन पुष्पा की कार में बम लगाने का फैसला करता है। वह इसे एक दुर्घटना जैसा दिखाना चाहता है। बम फट जाता है और पुष्पा की कार गड्ढे में गिर जाती है, दूसरी तरफ वीरेन बसंती को पुष्पा की पहचान लेने के लिए पैसा देता है। पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा की भूमिका निभा रहीं करुणा पांडे ने कहा, वीरेन की घातक साजिश के साथ कहानी एक गहन मोड़ लेती है। दर्शकों को कुछ बड़े आश्चर्य देखने को मिलेंगे। पुष्पा की यात्रा हमेशा असंभव को पार करने के बारे में रही है। इस बार चुनौती पहले से कहीं अधिक बड़ी है। एक हमशक्ल, खतरनाक साजिश और पुष्पा की जान को खतरे में पड़ा देख दर्शक रोमांचकारी ड्रामे की उम्मीद कर सकते हैं। हर मोड़ आपको अनुमान लगाने पर मजबूर करेगा, और मुझे उम्मीद है कि पुष्पा की जुझारूपन पहले से कहीं अधिक चमकेगी।

# 'द साबरमती' रिपोर्ट का मोशन पोस्टर रिलीज

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी की आने वाली फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। 27 फरवरी 2002 की सुबह, गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन के पास एक भयानक घटना घटी, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया और भारत के इतिहास को बदल दिया। साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में अचानक आग लग गई, जिससे 59 तीर्थयात्रियों और कारसेवकों की जान चली गई, जो अयोध्या से लौट रहे थे। इस घटना पर फिल्म द साबरमती रिपोर्ट बनायी जा रही है।द साबरमती रिपोर्ट का नया मोशन पोस्टर रिलीज किया गया है।यह मोशन पोस्टर काफी दिलचस्प और शक्तिशाली लग रहा है, जिसमें एक जलती हुई अखबार की कतरन और बैकग्राउंड में गुस्से से भरी आंखें दिख रही हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स, बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिविजन और विकिर फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा प्रस्तुत, 'द साबरमती रिपोर्ट' में विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं। यह फिल्म धीरज सरना निर्देशित और शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन द्वारा निर्मित है, जिसे ज़ी स्टूडियोज द्वारा पूरी दुनिया में रिलीज किया जायेगा। यह फिल्म 15 नवंबर को रिलीज होगी।

**उद्घाटन**

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ गुरुवार को पटना में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न पंचायत योजनाओं का उद्घाटन करते हुए।

# फिल्म 'मां भवानी' को 28 जीआरपी रेटिंग मिली

**मुंबई/एजेन्सी**

भोजपुरी सिनेमा जगत की दो सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियां, आम्रपाली दुबे और स्मृति सिन्हा स्टारर फिल्म 'मां भवानी' को रिकॉर्डतोड़ 28 जीआरपी रेटिंग मिली है। 'मां भवानी' को इस साल नवरात्रि के दौरान भोजपुरी सिनेमा चैनल पर रिलीज किया गया था, और इसे दर्शकों से भरपूर प्यार मिला।यशी फिल्म्स प्रा. लिमिटेड के बैनर तले बनी इस फिल्म की सफलता का जश्न मनाने के लिए एक विशेष पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें फिल्म जगत की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। फिल्म के निर्देशक और संगीतकार रजनीश मिश्रा, निर्माता पंकज तिवारी और अमित कुमार गुप्ता, वितरक निशांत उज्ज्वल, यशी फिल्म्स के अभय सिन्हा, और स्टार कास्ट में शामिल आम्रपाली दुबे, स्मृति सिन्हा, अंशुमान सिंह राजपूत और अवधेश मिश्रा ने इस खास मौके पर एक-दूसरे को बधाई दी। सुपरस्टार आम्रपाली दुबे ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, यह सफलता सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का परिणाम है। मां भवानी के आशीर्वाद और दर्शकों के प्यार ने इस फिल्म को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

फिल्म के निर्देशक रजनीश मिश्रा ने कहा, इस फिल्म को इतनी बड़ी सफलता मिलेगी, इसका अंदाजा हमें था, लेकिन 28 जीआरपी रेटिंग मिलना हमारे लिए गर्व की बात है। यह भोजपुरी सिनेमा के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। यशी फिल्म्स के अभय सिन्हा ने कहा, इस फिल्म की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि भोजपुरी सिनेमा में भी बड़े पैमाने पर काम किया जा सकता है और दर्शक उसे सराहेंगे। हम भविष्य में भी इसी तरह की फिल्में लेकर आते रहेंगे। फिल्म 'मां भवानी' में आम्रपाली दुबे ने एक अनाथ लड़की की भूमिका निभाई है, जिसकी रक्षा देवी मां करती हैं। स्मृति सिन्हा, अंशुमान सिंह राजपूत, अवधेश मिश्रा और अयाज खान जैसे दिग्गज कलाकारों ने फिल्म में अहम किरदार निभाए हैं। फिल्म की कहानी और निर्देशन रजनीश मिश्रा ने किया है, जबकि संगीत और गीत भी उन्हीं के द्वारा रचित हैं। फिल्म में बाल कलाकार की भूमिका में सृष्टि मिश्रा और श्रेया हैं। निर्माता पंकज तिवारी और अमित कुमार गुप्ता हैं।छायांकार सुनील दत्तात्रेय अहीर हैं। नृत्य संजय कोर्बे, एक्शन टीनू वर्मा और कला राजीव शर्मा का है।

## बोमन ईरानी ने 'द मेहता बॉयज़' के लिए इफ्सा टोरंटो में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता

**मुंबई/एजेन्सी**

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता बोमन ईरानी ने 'द मेहता बॉयज़' के लिए प्रतिष्ठित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिबल ऑफ साउथ एशिया (इफ्सा) टोरंटो सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता है। बोमन ईरानी ने अपने निर्देशन की पहली फिल्म 'द मेहता बॉयज़' के लिए लगातार दो पुरस्कार जीते हैं। उन्हें इस फिल्म में उनके बेहतरीन काम के लिए इफ्सा टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया है। द मेहता बॉयज़ को अमेज़न प्राइम वीडियो पर रिलीज़ किया जाएगा। कहानी एक पिता और बेटे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक-दूसरे से 48 घंटे तक एक-दूसरे के साथ रहने को मजबूर हैं। द मेहता बॉयज़ में बोमन ईरानी, ङ्घङ्घअविनाश तिवारी और श्रेया चौधरी मुख्य भूमिका में हैं ।

# सोशलाइजिंग से थक गई हैं अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा

**मुंबई/एजेन्सी**

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा अपनी सोशल लाइफ से थक गई हैं। सान्या ने कहा कि केवल दो दिनों में उन्होंने एक साल की सामाजिक गतिविधियां पूरी कर ली हैं। सान्या मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ङ्घङ्घकी दिवाली पार्टी समेत कई पार्टियों और समारोहों में शामिल होती रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इसमें वह अपनी कार की पिछली सीट पर काले रंग की ड्रेस पहने बैठी हैं। तस्वीर में अभिनेत्री थम्स अप करते मुस्कुराती दिखाई दे रही हैं। कैप्शन में सान्या ने लिखा, पूरे साल की सोशलाइजिंग दो दिनों में पूरी कर ली। उनके करियर पर नजर डालें तो अभिनेत्री वरुण धवन, जाह्नवी कपूर और मनीष पॉल के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमार में काम कर रही हैं। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी कथित तौर पर बद्रीनाथ की दुल्हनिया का सीक्वल है। इस फिल्म में वरुण और शशांक खेतान फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया में काम किया था। वह आरती कदव द्वारा निर्देशित मिसेज में भी नजर आएंगी। फिल्म एक ऐसी महिला की कहानी है, जिसे कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वह अपनी राह पर चलने की कोशिश करती है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी और मिसेज के अलावा सान्या के पास वरुण अभिनीत बेबी जॉन है। एक्शन थ्रिलर का निर्देशन कलीज ने किया है और जवान निर्माता एटली ने इसका निर्माण किया है। यह फिल्म एटली की 2016 की तमिल फिल्म थेरी की आधिकारिक रीमेक है। इसमें कीर्ति सुरेश भी हैं, जो वामिका गब्बी और जैकी श्रॉफ के साथ हिंदी फिल्मों में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। दिल्ली में जन्मी, 32 वर्षीय स्टार ने 2016 में आमिर खान अभिनीत दंगल से अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्हें 'पटाखा', 'बधाई हो', 'लूडो', 'शकुंतला देवी', 'जवान', 'सैम बहादुर', 'पगलैट', 'मीनाक्षी सुंदरेश्वर' और 'कथल' जैसी कुछ फिल्मों में देखा गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शुक्रवार | 25-10-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

नवग्रहों का शुभ या अशुभ प्रभाव व्यक्ति पर समान रूप से हर अवस्था में पड़ता है और ग्रह की चालों के अनुसार उसे विवश होकर चलना पड़ता है। कोई भी इस प्रभाव से बच नहीं सकता। हमारे अच्छे भाग्य के निर्माण का तात्पर्य है, अच्छी जिंदगी की सजावट। जीवन में सुख दुःख के कारक नवग्रह है। ग्रहों की पीडा एवं उनके अशुभ प्रभाव से मुक्ति पाने के लिए जैन धर्म का नमस्कार महामंत्र का जप काफी लाभदायक और कल्याणकारी है।

# ब्रह्मचर्य वह अवस्था है जिससे संयम दृढ़ बना रहता है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने गुरुवार को उत्तराध्ययन सूत्र के 16वें अध्ययन ब्रह्मचर्य समाधि स्थान की विवेचना करते हुए कहा कि ब्रह्मचर्य का आध्यात्मिक स्वरूप आत्म स्वभाव में रमण करना है। मुनि को शब्द, रुप, रस, गंध, स्पर्श में आसक्त नहीं होना चाहिए्। ब्रह्मचर्य का संरक्षित पालन करने वाले मुनि को देव, दानव, गंधर्व, यक्ष, राक्षस आदि नमस्कार करते हैं्।

उन्होंने कहा एक महत्वपूर्ण बात समझ लेना साधु जीवन के पांच महाव्रत है प्राणातिपात, मृषावाद, अदत्तादान, मैथुन और परिग्रह निरमण। वहां मैथुन निरमण दिया हुआ है और यहां चर्चा ब्रह्मचर्य की हो रही है। गौर करें कि ब्रह्मचर्य हमारा स्वभाव है। मैथुन ज्ञानियों द्वारा उसके लिए दी गई व्यवस्था है। सत्य हमारा स्वरूप है। मृषावाद उसके लिए दी गई व्यवस्था है। ब्रह्मचर्य का अर्थ है स्वरुप का बोध होना, अपने आप में रमण करना।

उन्होंने कहा ब्रह्मचर्य की निरंतरता कैसे बन सकती है, वह इस पाठ में दिया हुआ है। ब्रह्मचर्य एक समाधि है जिससे संयम दृढ़ बना रहता है। संवर वह है जो भीतर में आ रहे कर्मो को रोक देता है। वह ब्रह्मचर्य से होता है। समाधि यानी भीतर में चिंता, तनाव की स्थिति नहीं होना। व्यक्ति के अंदर समाधि तभी बनती है जब वह अप्रमत्त है। अगर ब्रह्मचर्य समाधि का ध्यान न रखें तो वह स्वयं को बाहरी आकर्षण से खींचा चला जाता है। ऐसे में उन्माद की स्थिति आ जाती है। वह दीर्घ काल का रोग बन सकता है। केवली धर्म से वह भ्रष्ट हो सकता है। जहां विजातीय तत्व, पशु रहते हैं, मुनि वहां नहीं रहे। ब्रह्मचर्य समाधि की ओर अपने लक्ष्य में आगे बढ़ने का मुख्य स्रोत है ब्रह्मचर्य। जिसने इसका आत्मसात किया, उसका जीवन उत्कृष्ट बन गया।

युवाचार्यश्री ने 17वें अध्ययन पाप स्मरणीय के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इसमें शिथिलाचार को छोड़कर सच्चे निर्दोष श्रमण को पालन करने के लिए प्रेरणा दी गई है। सिंह वृत्ति से प्रव्रजित होकर जो सुख, शीतलता के कारण मनचाहा खा- पीकर सोता है, वस्त्र, पात्र का संग्रह करता है, गपशप मारता है, वह अविवेकी, रसलोलुप पाप श्रमण कहलाता है।

उन्होंने कहा मुनित्व स्वीकार कर लिया लेकिन उसका आचरण गलत रहता है तो वह पाप श्रमण कहलाता है। यदि श्रुत व विनय की शिक्षा दी जाती है, उन्हीं की वह निंदा, गुस्सा करता है तो इस प्रकार उसे पाप समरणीय कहा गया है। इस प्रकार पांच महाव्रत में दोषों का सेवन करने वाले, केवल मुनि वेश धारण करने वाले, उस मुनि के इहलोक, परलोक दोनों खराब होते हैं्। जीवन बिजली के समान चंचल है, ये इहलोक, परलोक में अहित करने वाला है। जो कर्म किया है, वह परभव साथ में चलता है इसलिए मोह की आसक्ति को खत्म करना चाहिए्। वह नियम, व्रत, साधना, आराधना में आगे बढ़े। हमें भीतर में रही हुई नकारात्मकताएं कम करने वाले इस स्वाध्याय को करना है। कमलचंद छल्लाणी ने सभा का संचालन किया।

# तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर ने आयोजित की कार्यशाला और मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर की सदस्याओं ने खुशियों की दीपावली के अंतर्गत 'आत्मा का विमोचन' कार्यशाला का आयोजन सभा भवन में किया। अध्यक्ष उषा चौधरी ने सभी का स्वागत किया और विषय के बारे में बताया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में महेन्द्र दक ने कहा कि आत्मा का अस्तित्व हमेशा रहता है। लोभ, अज्ञानता, परमार्थ से भी आत्मा अंधकार को प्राप्त होती है इसलिए प्रमाद को छोड़कर आत्मा को प्रकाशमय बनाने का प्रयास करना चाहिए। केवल बाहरी रूप से नहीं अपितु आंतरिक रूप से भी स्वच्छता और सेवा का भाव लेकर हम परिवार का और स्वयं का विकास कर सकते हैं। महिला सदस्याओं ने आत्मा के विकार को दूर करने का संकल्प किया। इस मौके पर अनासक्त भावना को पुष्ट करने के लिए अपने घर के अतिरिक्त वस्त्र, खिलौने, किताबें और अन्य उपयोगी सामान का विसर्जन किया। कार्यक्रम के पश्चात महिला मंडल द्वारा एकत्रित कपड़े, खिलौने, किताबें और अन्य उपयोगी सामान को मानव सेवा ट्रस्ट के सहयोग से जरूरतमंदों और अनाथ आश्रमों तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम कासंचालन मंत्री लता नवलखा ने किया। मुख्य वक्ता का परिचय और आभार उपाध्यक्ष सुनीता कोठारी ने किया।

# आचार्य गुमानचन्द्र का स्मृति दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। 24 अक्टूबर को रत्नवंश के प्रथम आचार्य पूज्यश्री गुमानचंद्र म.सा का स्मृति दिवस श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के तत्वावधान में साहुकारपेट के स्वाध्याय भवन में जप-तप-त्याग, पूर्वक स्वाध्याय दिवस के रुप मे मनाया गया। सभी श्रदालुओं ने संयम चालीसा की रागपूर्वक स्तुति की।

श्रावक संघ तमिलनाडु के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने जोधपुर में अखेराज-चैनाबाई के यहां जन्में गुमानचंद्र का बाल्यकाल व माताश्री के वियोग हो जाने पर मेडता में कुशलचंद्र म.सा के पास वैराग्य को प्राप्त करने के पश्चात अपने पिताश्री के संग दीक्षा लेने वाले रत्नवंशीय प्रथम आचार्य गुमानचंद्र म.सा के चारित्रमय जीवन परिचय पर प्रकाश किया। वे कुशल पारखी व सुतीक्ष्ण बुद्धि के धनी थे। बाल्य वय में दीक्षित होने के पश्चात व्याकरण, संस्कृत, साहित्य व आगमों का अध्ययन करने वाले आचार्यश्री ने शुद्ध वीतराग धर्म की परुपणा व प्रचार किया।

लीलमचन्द बागमार, गौतमचन्द मुणोत,कांतिलाल तातेड़ ने आचार्यश्री की स्तुति की। श्रावक संघ के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने रत्नवंशीय प्रथम आचार्यश्री के गुणगान करते हुए बताया कि आपके बारह शिष्य रत्नों में दौलतराम म.सा, प्रेमचंद म.सा, लक्ष्मीचंद म.सा, ताराचंद म.सा दुर्गादास म.सा रतनचंद्र म.सा आदि थे। आपने अपने चरित्रमय जीवन मे अनेक वर्षो तक एकान्तर उपवास बेले-बेले की तपस्या की। आपने संवत 1814 में राजस्थान के भोपालगढ़ ( बडलू )में चौदह सन्तों के संग चरित्र की विशेष शुद्धि हेतु वस्त्र-पात्र-गोचरी-विहार आदि संबंधित 21 नियम बनाते हुए क्रियोद्धार किया। आपका नाम क्रियोद्धारक के रुप मे चिरकाल के लिए स्थायी हो गया। सम्वत 1858 कार्तिक कृष्ण अष्ठमी के दिन राजस्थान के मेडता नगर में चार प्रहर के संथारे पूर्वक आपका देवलोकगमन हो गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी बन्धुवर आर वीरेन्द्र कांकरिया ने स्वाध्याय रुप मे महासती लीलाबाईजी म.सा के संवत्सरी पर्व पर फरमाये गये प्रवचन का वांचन व अनुप्रेक्षा की।

इस प्रसंग पर स्वाध्याय भवन में बसन्तीदेवी कर्णावट शशि कांकरिया संगीता बाफना, सोनल सुराणा, अम्बालाल कर्णावट उच्छबराज गांग, नवरतनमल चोरडिया, दीपक योगेश श्रीश्रीमाल, रुपराज सेठिया की उपस्थिति प्रमोदजन्य रही। त्याग-प्रत्याख्यान, सामुहिक नियम व मंगल पाठ के पश्चात समस्त चरित्र आत्माओं की जयजयकार के साथ पुण्यतिथि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

# श्रेष्ठ समय व नक्षत्र में किया गया कार्य सदैव फलदायी : साध्वी संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। शहर के तेरापंत भवन में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में ज्योति पुंज आलौकिक जप अनुष्ठान का आयोजन किया गया। गुरु पुष्य नक्षत्र पर जैन संस्कारकों की प्राण उर्जा से मंत्रोच्चार हुआ। साध्वी संयमलताजी ने कहा कि आगम ग्रंथों की चुलिकाओं में मंत्र व यंत्रों का प्रयोग मिलता है तथा अनेक जैन आचार्यो ने अपनी साधना काल के समय मंत्रों का प्रयोग किया, उन्हें सिद्ध किया तथा समय आने पर अपना प्रयोजन भी सिद्ध किया।

तेरापंथ धर्म संघ के चतुर्थ आचार्य जयाचार्य ने पुष्य नक्षत्र में विघ्न उपस्थित होने पर अपने गुरु व इष्ट का स्मरण किया और स्तवना व स्तुति द्वारा उसका निवारण किया। श्रेष्ठ समय व श्रेष्ठ नक्षत्र में किया गया कार्य शुभ व अक्षय फलदायी होता है। वह हमारे मनोरथ को पूर्ण करने वाला होता है।

इस अवसर पर बेंगलूरु से जैन संस्कारक जितेन्द्र घोषल, विक्र म दुगड, अरविंद बैद ने स्वर विज्ञान, मुद्रा योग तया यंत्र के साथ मंत्रों का प्राण उर्जा के साथ उच्चारण कर पूरे वातावरण को मंगल ध्वनियों से गुंजायमान बना दिया। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा कि शांति की चाह रखने वाले को अपने चारों तरफ मंत्र व ध्वनियों से शुभ आभामंडल का निर्माण करना होता है जिससे शुभ परमाणुओं को आकर्षित करने का सामर्थ्य बढ़ जाता है और जीवन मंगलमय बन जाता है। तेरापंथ युवक परिषद् मंड्या के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में तेरापंथ सभा, महिला मंडल, कन्या मंडल की सक्रिय भूमिका रही। इस अनुष्ठान में लगभग 130 श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही।

# धर्म आचारण में व्यक्ति की सोच का बहुत महत्त्व है : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय हनुमंतनगर स्थित जैन स्थानक में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि भगवान महावीर के अनेकान्तवाद के सिद्धान्त को सहज, सरल रूप में पालन करने पर ही आदर्श रूप में संघ, समाज, परिवार, राष्ट्र और सम्पूर्ण विश्व में शांति, समन्वय, एकता की भावना के भाईचारे के साथ प्राणीमात्र में सुख-शांति संभव है।

जहाँ पूर्वाग्रही, हठाग्रही, दुराग्रही मात्र अपने अहं- दुराग्रह से संकुचित पोषित कर अपने दृष्टिकोण से एक चीज को देखकर उसका खण्डन-मनन करता है वो सही मायने में पूर्ण सत्य का दर्शन नहीं कर पाता है। कह सकते हैं कि यह धर्म नहीं अधर्म का द्वार हैं्। जहां व्यक्ति अपने संकीर्ण सोच से धर्म के वास्तविक स्वरूप को नहीं समझ पा रहा है और अपने लिए भी मानसिक रूप से तनाव-चिन्ता अवसाद को जन्म दे रहा हैं्। आग्रह नहीं, आदर की भावना भी होनी चाहिए। फूल में खुशबू भी और काँटें भी है। अब यह व्यक्ति की सोच पर निर्भर करता है कि वह फूल को कैसे देखकर उसकी समीक्षा, गुण-दोष का चिंतन करता है।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने गतिमान 27 दिवसीय श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र की आराधना के 19 वें दिन चौवीसवें अध्ययन प्रवचन माता के ऊपर सारगर्भित विवेचन करते हुए कहा कि जिस प्रकार माता अपनी संतान का पालन-पोषण, रक्षण और संवर्धन कर विकसित करती है। बालक की हर दुःख- पीड़ा से बचाते हुए बच्चे बाल्यकाल से ही उसका हर रूप में अपने सुसंस्कारों, हित- शिक्षाओं से अपनी संतान का मचारित्र निर्माण करती करती हैं बच्चे के जीवन की उज्ञवल, संस्कारित बनाने के लिए उसे कुमार्ग- असत्य प्रवृत्ति से दूर रखकर बच्चे को सन्मार्ग-सद्प्रवृत्तियों-सद्व्यवहार की ओर मोड़ती हैं।

स्वयं को संयमित रखना ही सच्चा धर्म हैं।जीवन का हर कदम यतना अर्थात अहिंसा से, विवेक, उपयोगपूर्वक, जागरूकता, सजगता व सावधानीपूर्वक जीएं्। प्रवृत्ति करें जिससे इंसान पापकर्म के दूर बंधन से मुक्त रहता है। संचालन संघ मंत्री सुरेश धोका ने किया।

# आध्यात्मिक यात्रा से शुरु हुआ जीतो नार्थ लेडीज विंग का कार्यकाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो नार्थ चैप्टर की लेडीज विंग द्वारा नई अध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना की अध्यक्षता में कार्यकाल के प्रथम कार्यक्रम का आगाज़ एक दिवसीय आध्यात्मिक यात्रा राइज एंड शाइन विषयक कार्यक्रम से हुआ। मुख्य प्रशिक्षक राष्ट्रीय वक्ता अरविंद मांडोत ने नई शुरुआत के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कार्यक्रम को आध्यात्मिक, सामाजिक व रचनात्मक सफलता प्राप्त करने की दिशा में सकारात्मक कार्यक्रम बताते हुए कहा कि अपने परिवेश की भौतिक सीमाओं से परे जाकर आध्यात्मिक यात्रा एक आंतरिक अनुभव है।

इस तरह की यात्रा हमें विकास के अवसर के साथ-साथ स्वयं के व्यक्तित्व को भी प्रोत्साहित करने का अवसर देता है। इस प्रकार की आध्यात्मिक यात्रा हर सदस्य को एक दूसरे के गहरे संबंध को बढ़ावा देती है। संस्था हो या जीवन कुछ सूत्रों का ध्यान रखने से सफलता कदम चुमती है। मांडोत ने सफलता के सूत्रों को बताते हुए कहा कि मनुष्य को अपने आपको जानने के लिए साधारण बने रहना जरूरी है। नाम के चाह की भूख नहीं होनी चाहिए्। मानव भव मिला, मनुष्य बनकर जन्मे हैं हम, भारत में जन्म हुआ सौभाग्य शाली है हम इसलिए संस्कृति से जुड़े रहे।

जीतो द्वारा मांडोत का सम्मान किया गया। इस मौके पर जीतो लेडीज विंग की पूर्व अध्यक्ष अनीता पिरगल, सुनीता गांधी, बिन्दु रायसोनी एवं लेडीज विंग साउथ की अध्यक्ष बबिता रायसोनी की उपस्थिति रही उन्होंने अपने-अपने विचारों की प्रस्तुति दी। इस एक दिवसीय यात्रा में महिला सदस्याओं ने जैन तीर्थ श्रीआदि संस्कार धाम में पूजा अर्चना, मंदारगिरि पर्वत का प्राकृतिक सौंदर्य दर्शन, पार्श्व लब्धि तीर्थ धाम का दर्शन किया। कार्यसमिति सदस्य बिन्दु नाहर एवं मधुबाला बरलोटा ने ध्यान व साधना करवाई। बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर चेयरमैन विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी, जेएलडब्ल्यू संयोजक नेमीचंद दलाल ने शुभकामनाएँ दी। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफ़ना ने सभी का स्वागत किया, संयोजिका नीता गादिया ने प्रशिक्षक अरविन्द मांडोत का परिचय दिया।

सह-संयोजिका प्रेमा रांका ने व्यवस्था सँभाली। जीतो लेडीज साउथ की कोषाध्यक्ष संगीता पारख, हेमा सोलंकी, जीतो नॉर्थ की उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, सुमन वेदमुथा, सहमंत्री मीना बडेरा, सुमन रांका सहित कुल 120 सदस्याएं उपस्थित थीं। महामंत्री रक्षा छाजेड ने संचालन किया व धन्यवाद दिया।

# मुनिश्री मोहजीतकुमार से श्रद्धालुओं ने किया राजराजेश्वरीनगर आने का निवेदन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ सभा राजराजेश्वरीनगर के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ के नेतृत्व में पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, मंत्री गुलाब बाठियाँ, संगठन मंत्री विनोद बोथरा, बहादुर सेठिया, विमल श्यामसुखा, पारसमल बाफणा, नरेन्द्र मुनोत एवं विजयलक्ष्मी मुनोत ने चिकमंगलूरु में विराजित मुनिश्री मोहजीतकुमारजी के दर्शन किए। प्रवचन श्रवण का लाभ प्राप्त करने के साथ ही राजराजेश्वरीनगर सभा के पदाधिकारियों ने संतश्री को आरआरनगर पधारने का निवेदन किया। अध्यक्ष राकेशछाजेड़ ने वर्ष 2025 के स्थानीय स्तर पर मर्यादा महोत्सव व अन्य संघीय कार्यक्रमों का आयोजन राजराजेश्वरीनगर में करने की भावना व्यक्त की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## साहस का सम्मान

मैसूरु निवासी 36 वर्षीय नवीन सोलंकी ने कश्मीर से कन्याकुमारी का 3758 किलोमीटर का सफर साइकिल यात्रा से मात्र 255 घंटे (10 दिन 15 घंटे) में पूरा किया। विश्व शांति व भाईचारे के संदेश के साथ नवीन ने अपनी साइकिल यात्रा 10 अक्टूबर को श्रीनगर के पोलो ग्राउंड से शुरु कर 20 अक्टूबर को कन्याकुमारी में सम्पन्न की। इतनी लम्बी यात्रा सकुशल पूरा करने पर मैसूरु के आईजी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से उनका सम्मान किया गया। इस मौके पर क्लब के भरत सीरवी, दिनेश लचेटा, मोहनलाल गहलोत, रूपाराम मुलेवा, राकेश पंवार ने सोलंकी का सम्मान किया।

# हिन्दी दिल से सीखनी चाहिए : डॉ. जगदीश

## कॉफी बोर्ड में आयोजित हुआ हिन्दी माह समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कॉफी बोर्ड में हिन्दी माह के उपलक्ष्य में समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ राजभाषा विभाग द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में जारी विशेषांक 'राजभाषा हीरक जयंती 1949-2024' तथा राजभाषा हिन्दी के विकास पर निर्मित वीडियो का प्रदर्शन किया गया। कॉफ़ी बोर्ड के उपनिदेशक (राजभाषा) डॉ. धीरजकुमार मिश्र ने अपने स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव डॉ. केजी जगदीश, वित्त निदेशक एनएन नरेंद्र, मंत्रालय के वाणिज्य विभाग निरीक्षण अधिकारी परमानंद आदि का स्वागत किया। उपनिदेशक(वित्त) तरुण शर्मा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के संदेश का वाचन किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि परमानंद ने कॉफ़ी बोर्ड के मुख्य कार्यालय में राजभाषा नीति/कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण की प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कॉफ़ी बोर्ड में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रशंसा की एवं सभी कार्मिकों से हिन्दी में कार्य करने की अपील की।इसके पश्चात हिंदी माह के दौरान विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों ने राजभाषा गृह पत्रिका के नए अंक का डिजिटल विमोचन किया। मुख्य अतिथि केजी जगदीश ने हिन्दी माह के सफल, अर्थपूर्ण एवं प्रभावी आयोजन के लिए राजभाषा स्कन्ध को अपनी शुभकामनाएँ दीं।

उन्होंने कॉफ़ी बोर्ड के वर्ष 2023-24 की राजभाषा गृह पत्रिका' कॉफ़ी सम्वाद' को प्राप्त राजभाषा कीर्ति पुरस्कार का उल्लेख करते हुए सभी लेखकों को बधाई दी एवं हिन्दी को दिल से सीखने और हिन्दी में कार्य करने पर बल दिया।

उपनिदेशक प्रशासन अजितकुमार राउत ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा कर्मी सी. मादप्पा, सुश्री उषा एवं अनुश्री पी.एस. ने किया।

# सभी द्रव्य क्षेत्र मानव के लिए कर्मानुकूल है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्त विराजित मुनिश्री विनयमुनिजी ने अपने प्रवचन में जंबू दीप प्रज्ञप्ति के 16वें सूत्र पर प्रवचन करते हुए कहा कि जो क्षेत्र-स्थान कर्म बंधन के निमित्त बनते है, वही क्षेत्र उत्तम श्रेष्ठ आत्माओं के लिए कर्म तोड़ने के निमित्त बन सकते हैं। सभी तीर्थकरों के विस्तार से जीवन-चारित्र नहीं मिलता है। अलग अलग आचार्यों ने कथानकों जिस दृष्टि से लिखे है, उनका तारतम्य बिठाना बड़ा ही मुश्किल काम है। मानवों के लिए अच्छे कर्म करने के लिए सभी द्रव्य क्षेत्र काल अनुकूलता से भरे है फिर भी मनुष्य का मन तैयार नहीं हो रहा और यह मानव की भूल है। संघ महामंत्री संपतराज मांडोत ने सभी का स्वागत किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.